THE UNCOVERED UPDATE
सच जो छुपा था, अब सामने है
हिन्दी समाचार पत्र
द अनकवर्ड अपडेट
कवर के पीछे की खबर | Digital Edition | RJHIN/25/A4779
www.hpnews.in/www.tniawaaz.in | जयपुर, सोमवार 16 नवंबर, 2026 | वर्ष: 01 | अंक: 22 | पृष्ठ: 8 | मूल्य: 2.00 रू.

जनजातीय गौरव दिवस समारोह

तीन वर्षों में जनजातीय समुदाय के विकास के लिए लगभग 3 हजार 200 करोड़ रुपये का किया प्रावधान- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- वंचितों को वरीयता के साथ हो रहा जनजातीय समाज का शैक्षणिक, सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तीकरण
- मुख्यमंत्री ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा को 151वीं जयंती पर किया नमन
- लैक्रोस खिलाड़ियों ने लैक्रोस एकेडमी के लिए जताया मुख्यमंत्री का आभार
- लघु फिल्म 'परम्परा से प्रगति की ओर विकास यात्रा' का किया गया प्रदर्शन
- जनजातीय क्षेत्र के आस्था केन्द्रों पर आधारित लघु फिल्म भी की गई प्रदर्शित

द अनकवर्ड अपडेट

मुख्यमंत्री ने सुना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संबोधन, जनजातीय समुदाय के साथ किया संवाद



जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जनजातीय समाज ने देश की संस्कृति, परम्परा और स्वाभिमान की रक्षा के लिए सदियों तक संघर्ष किया है। इस समाज के गौरवशाली इतिहास, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और महापुरुषों के बलिदान को सम्मान देना हम सभी का दायित्व है। राज्य सरकार वंचितों को वरीयता देते हुए जनजातीय समाज के शैक्षणिक, सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

विभूतियों को पहचान और सम्मान

मुख्यमंत्री ने रविवार को जनजातीय गौरव दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सम्बोधन को सुना। इसके बाद मुख्यमंत्री ने जनजातीय समुदाय के प्रतिनिधियों से संवाद भी किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा वर्ष 2021 से धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर शुरू किया गया जनजातीय गौरव दिवस आज राष्ट्रीय चेतना का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। वहीं, जनजातीय समाज के महानायकों के योगदान को राष्ट्रीय पहचान और सम्मान मिल रहा है। इसी क्रम में जनजातीय समुदाय से आने वाली द्रौपदी मुर्मू आज राष्ट्रपति के रूप में देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद आसीन हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' संकल्प के तहत जनजातीय क्षेत्रों में विकास की गति बढ़ाने के साथ नक्सलवाद को समाप्त करने के लिए व्यापक प्रयास किए गए हैं। वहीं, पीएम-जनमन के माध्यम से जनजातीय समूहों तक बिजली, पानी, आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं। इसी प्रकार धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के माध्यम से विकास की पहुंच दूरस्थ और वंचित जनजातीय क्षेत्रों तक सुनिश्चित की जा रही है।

जनजातीय समुदाय का हो रहा समग्र विकास

मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने तीन वर्षों में जनजातीय समुदाय के विकास के लिए लगभग 3 हजार 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इसी क्रम में 10 आश्रम छात्रावास, 3 आवासीय विद्यालय, एक नया खेल छात्रावास और 250 नए मां-बाड़ी केन्द्र खोले गए हैं। पीएम-जनमन योजना के तहत बारां जिले के सहरिया क्षेत्र में 15 हजार 233 आवासों, 23 सम्पर्क सड़कों, 15 नए बहुद्देश्यीय केन्द्रों का निर्माण और 51 वन-धन केन्द्र गठित किए गए हैं। वहीं, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के माध्यम से प्रदेश के 6 हजार 235 गांवों के लगभग 55 लाख जनजातीय लोगों के जीवन स्तर में सुधार के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनजातीय किसानों को सशक्त बनाने के लिए निशुल्क संकर मक्का बीज मिनी किट कार्यक्रम के तहत 25 लाख से अधिक मिनी किट बांटे गए हैं। वहीं, 3 लाख 50 हजार से अधिक निशुल्क हाइब्रिड सब्जी बीज मिनी किट उपलब्ध करवाए गए हैं। इसी प्रकार पीएम कुसुम योजना में 8 लाख से अधिक निशुल्क सोलर पम्प स्थापित किए गए हैं।

संस्कृति, परम्परा और विरासत का संरक्षण

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय समाज की अमूल्य सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सौंध माटी आदि धरोहर प्रलेखन योजना शुरू की गई है। वहीं, जनजातीय महानायकों को उचित सम्मान देने के लिए डूंगरपुर में डूंगर बरंडा और बांसवाड़ा में बांसिया चारपोटा के स्मारकों का निर्माण करवाया जा रहा है। उदयपुर में वीर बालिका कालीबाई संग्रहालय का निर्माण भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज की आस्था और परम्पराओं से जुड़े धार्मिक स्थलों के विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके तहत बारां के सीताबाड़ी, उदयपुर के कमलनाथ महादेव, जावर माता मंदिर एवं रामकुंडा महादेव मंदिर, सलूम्बर के सोनार माता मंदिर तथा बांसवाड़ा के सलाकेश्वर महादेव मंदिर का विकास किया जा रहा है। इन प्रयासों से जनजातीय समाज की सांस्कृतिक पहचान और परम्पराओं को नई पहचान मिल रही है।

खेलों में जनजातीय युवाओं ने बढ़ाया देश का मान

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय युवाओं ने खेलों के क्षेत्र में भी अपनी प्रतिभा और क्षमता का परिचय देते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का गौरव बढ़ाया है। लैक्रोस में प्रदेश के जनजातीय खिलाड़ियों ने वर्ष 2024 में समरकंद एशियन चैम्पियनशिप में रजत पदक प्राप्त किया। वहीं, इस वर्ष रियाद एशियन लैक्रोस गेम्स में पुरुष एवं महिला दोनों श्रेणियों में स्वर्ण पदक हासिल किए गए। इसी प्रकार मलेशिया में आयोजित दक्षिण-पूर्व एशियाई लैक्रोस चैम्पियनशिप-2026 में कांस्य पदक प्राप्त किया। ये उपलब्धियां जनजातीय युवाओं की प्रतिभा, परिश्रम और सामर्थ्य का परिचायक हैं।

जनजातीय समुदाय ने जताया मुख्यमंत्री का आभार

संवाद के दौरान जनजातीय अंचल से आए अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों ने मुख्यमंत्री का आभार जताया। भारतीय महिला लैक्रोस टीम की कप्तान सुनीता मीना एवं राष्ट्रीय पुरुष टीम के उपकप्तान मोहनलाल गमेती ने कहा कि उदयपुर में लैक्रोस एकेडमी सहित प्रदेश में दी जा रही खेल सुविधाओं एवं संसाधनों से दूरस्थ क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के अवसर सुलभ हो रहे हैं। वहीं, कार्यक्रम में प्रगतिशील किसानों, महिलाओं एवं युवाओं ने जनकल्याणकारी योजनाओं को उनके जीवन में हो रहे सकारात्मक सुधारों का आधार बताया।

कार्यक्रम के दौरान 'परम्परा से प्रगति की ओर विकास यात्रा' और जनजातीय क्षेत्रों के आस्था केन्द्रों पर आधारित लघु फिल्मों का प्रदर्शन भी किया गया। इस अवसर पर जनजाति क्षेत्र विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, विधायक फूल सिंह मीणा, महेंद्रपाल मीणा, अतिरिक्त मुख्य सचिव कुंजी लाल मीणा सहित बड़ी संख्या में जनजातीय समाज के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

ललित मोदी को मिली ब्रिटेन की नागरिकता

बोले- यूके ही अब मेरा घर, 2010 से लंदन में रह रहे हैं आईपीएल के संस्थापक

● लंदन / आरएनएन



इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के संस्थापक और पूर्व चेयरमैन ललित मोदी को ब्रिटेन की नागरिकता मिल गई है। उन्होंने शनिवार, 14 नवंबर को ऑक्सफोर्ड यूनियन में संबोधन के दौरान इसकी जानकारी दी। ललित मोदी के मुताबिक, उन्होंने 15 सितंबर 2026 को परिवार और दोस्तों की मौजूदगी में आयोजित समारोह में ब्रिटिश नागरिकता हासिल की थी। उन्होंने ब्रिटेन को अपना घर बताते हुए इसे जीवन का नया अध्याय और गर्व का क्षण बताया।

2010 में छोड़ दिया था भारत

ललित मोदी ने 2008 में आईपीएल की शुरुआत की थी। उन्होंने इसके पहले चेयरमैन और कमिश्नर के रूप में काम किया। हालांकि, 2010 में आईपीएल से जुड़ी कथित वित्तीय अनियमितताओं, मनी लॉन्ड्रिंग और बोली प्रक्रिया में गड़बड़ी के आरोपों के बीच उन्हें बीसीसीआई ने निलंबित कर दिया था। इसके बाद वह भारत छोड़कर लंदन चले गए। तब से वह वहीं रह रहे हैं। ललित मोदी की भारतीय नागरिकता 2025 की शुरुआत में समाप्त हो गई थी।

मुंबई के सीएसएमटी स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई, आरएनएन। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) रेलवे स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद शाम को सुरक्षा एजेंसियों ने सघन तलाशी अभियान चलाया। करीब तीन घंटे तक चले अभियान में स्टेशन परिसर और ट्रेनों की जांच की गई, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। जानकारी के मुताबिक, 14 नवंबर को शाम करीब 6:50 बजे पुलिस कंट्रोल रूम को डायल 112 के जरिए धमकी भरा फोन आया। फोन करने वाले ने सीएसएमटी स्टेशन पर बम रखे होने की बात कही। कॉलर ने मोबाइल नंबर 9420112655 से फोन किया था। सूचना मिलते ही पुलिस और रेलवे सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं।

पुलिस कंट्रोल रूम में डायल 112 पर आया फोन, तीन घंटे चला तलाशी अभियान

अमिताभ के घर फायरिंग की साजिश में दो शूटर गिरफ्तार

गैंगस्टर के इशारे पर काम करने का आरोप



● नई दिल्ली / आरएनएन

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने अभिनेता अमिताभ बच्चन के मुंबई स्थित आवास जलसा के बाहर फायरिंग की कथित साजिश के मामले में दो शूटरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान जालंधर निवासी विकास ठाकुर और तरनतारन निवासी दीपक सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने मुंबई पुलिस की मदद से दोनों को गिरफ्तार किया।

पुलिस के मुताबिक, दोनों आरोपी विदेश में बैठे एक गैंगस्टर के संपर्क में थे और उसके निर्देश पर काम कर रहे थे। पुलिस सूत्रों का कहना है कि गैंगस्टर 1984 के सिख विरोधी दंगों को लेकर अमिताभ बच्चन के कथित बयान से नाराज था। इसी वजह से वह अभिनेता को निशाना बनाना चाहता था। हालांकि, अमिताभ बच्चन ऐसे किसी भी बयान देने के आरोपों को खारिज कर चुके हैं। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं। दीपक सिंह को मुंबई में कुछ समय तक रुककर अमिताभ बच्चन के घर के बाहर फायरिंग करनी थी। वह अमृतसर में 3 अक्टूबर को हुई इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर मैड संधू की हत्या के मामले में भी वांटेड था।

कॉन्स्टेबल को गोली मारने वाला एनकाउंटर में ढेर

कोलकाता, आरएनएन। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में रविवार को पुलिस ने मुठभेड़ में रतन शेख को मार गिराया। उस पर शांतिनिकेतन में पुलिस टीम पर गोली चलाने और कांस्टेबल विश्वजीत दास को घायल कर फरार होने का आरोप था। भाजपा सरकार बनने के बाद राज्य में पुलिस मुठभेड़ में किसी आरोपी की मौत का यह पांचवां मामला है।

तीन दिन से था फरार

पुलिस के मुताबिक, रतन शेख नानूर थाना क्षेत्र के संतरा गांव का रहने वाला था। उसके खिलाफ नानूर, बोलपुर और शांतिनिकेतन थानों में चोरी, डकैती और मादक पदार्थों की तस्करी समेत 30 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज थे। वह गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था। उसे हाल ही में कई मामलों में जमानत मिली थी। शुक्रवार शाम पुलिस को शांतिनिकेतन के एक बाजार के पास उसकी मौजूदगी की सूचना मिली थी।

इंडिगो का लैंडिंग गियर अटका, इमरजेंसी लैंडिंग

पुणे–गुवाहाटी विमान में 192 लोग थे सवार

● पुणे / आरएनएन



पुणे से गुवाहाटी जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई 0623 में रविवार सुबह उड़ान भरने के कुछ देर बाद तकनीकी खराबी आ गई। विमान का लैंडिंग गियर अंदर नहीं जा सका और पहिए बाहर ही रह गए। पायलट ने इसकी सूचना एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को दी, जिसके बाद पुणे एयरपोर्ट पर पूर्ण आपातकाल घोषित कर दिया गया। विमान में यात्रियों और क्रू सदस्यों समेत कुल 192 लोग सवार थे। सभी सुरक्षित हैं और किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। लैंडिंग के बाद तीन दमकल वाहनों और दो एंबुलेंस की मदद से विमान को बे नंबर-7 तक ले जाया गया।

रनवे के ऊपर कराया गया लो पास...

विमान को सुरक्षित उतारने से पहले रनवे के ऊपर कम ऊंचाई पर उड़ाया गया, ताकि उसके लैंडिंग गियर की स्थिति का जायजा लिया जा सके। इस प्रक्रिया को लो पास कहा जाता है। इसके बाद विमान को सुबह 9:04 बजे पुणे एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतार लिया गया। पुणे एयरपोर्ट के डायरेक्टर संतोष धोके के मुताबिक, भारतीय वायुसेना (आईएएफ) ने पूर्ण आपातकाल घोषित किया था। इसके बाद सभी जरूरी आपातकालीन प्रोटोकॉल लागू किए गए। यात्रियों और क्रू की सुरक्षा के लिए दमकल वाहन, एंबुलेंस और अन्य बचाव दलों को हाई अलर्ट पर रखा गया।

SIR में नाम कटने पर भी फॉर्म-6 भरने वालों पर नहीं चलेगा केस

● नई दिल्ली / आरएनएन

चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर दोहराई बात

चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर स्पष्ट किया है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत तैयार मतदाता सूची में नाम नहीं होने पर भी संबंधित व्यक्ति फॉर्म-6 भरकर नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकता है। ऐसा करने पर उसके खिलाफ मुकदमा नहीं चलाया जाएगा।

आयोग ने कहा कि मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के बाद फॉर्म-6 भरने वाले लोगों के खिलाफ अभियोजन की कार्रवाई नहीं होगी। आयोग ने यह स्पष्टीकरण दोहराया है, ताकि सूची में नाम नहीं होने पर लोग आवेदन करने से न डरें। चुनाव आयोग के मुताबिक, मतदाता सूची से हटाए गए लोगों की बूथवार सूची प्रदर्शित की जा रही है। इसमें नाम शामिल नहीं किए जाने का कारण भी बताया जा रहा है, ताकि संबंधित मतदाता इसकी जानकारी प्राप्त कर सकें।

महापर्व लोक आस्था के महापर्व छठ के तीसरे दिन श्रद्धालुओं ने डूबते सूर्य को दिया संध्या अर्घ्य

देशभर में छठ की धूम, डूबते सूर्य को अर्घ्य देने उमड़े श्रद्धालु

● नई दिल्ली



बिहार में 10 हजार से अधिक घाटों पर हुआ आयोजन

लोक आस्था के चार दिवसीय महापर्व छठ के तीसरे दिन रविवार को देशभर में श्रद्धालुओं ने डूबते सूर्य को संध्या अर्घ्य दिया। बिहार, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, झारखंड, गुजरात, असम, पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों में नदियों, तालाबों और छठ घाटों पर बड़ी संख्या में व्रती और श्रद्धालु पहुंचे।

घाटों पर पूजा-अर्चना के साथ सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए। बिहार में 10 हजार से अधिक घाटों पर लाखों श्रद्धालुओं ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया। पटना सहित राज्य के विभिन्न जिलों में घाटों पर भारी भीड़ रही। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, स्थानीय गोताखोर और आपदा मित्रों की तैनाती की गई। राज्य में एसडीआरएफ की टीमें 254 घाटों, एनडीआरएफ की टीमें 123 घाटों और स्थानीय गोताखोरों व आपदा मित्रों की तैनाती 12,806 घाटों पर की गई। पटना के मिर्जापुर गांव में घाट की सजावट के दौरान पुनपुन नदी में चार युवक डूब गए। बचाव दल ने एक युवक को सुरक्षित निकाल लिया, जबकि तीन अन्य की तलाश जारी रही। चार दिवसीय छठ महापर्व के अंतिम दिन सोमवार सुबह व्रती उगते सूर्य को अर्घ्य देंगे। इसके साथ ही पूजा के अनुष्ठान और व्रत का समापन होगा।

दिल्ली में 1,400 से अधिक घाटों पर हुई पूजा

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में छठ पूजा को लेकर व्यापक तैयारियां की गईं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोनिया विहार घाट पर पहुंचकर डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। इस दौरान मंत्री कपिल मिश्रा और सांसद मनोज तिवारी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने नाव से विभिन्न घाटों पर पहुंचकर श्रद्धालुओं का अभिवादन भी किया। दिल्ली सरकार के अनुसार, राजधानी में छठ पूजा के लिए 1,435 स्थानों पर इंतजाम किए गए हैं, जबकि यमुना किनारे 24 मॉडल घाट बनाए गए हैं। आईटीओ स्थित छठ घाट पर करीब एक लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की जानकारी सामने आई। संगम विहार सहित विभिन्न इलाकों में भी बड़ी संख्या में व्रतियों ने पूजा की। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए यमुना घाटों से जुड़े मार्गों पर रविवार दोपहर दो बजे से सोमवार सुबह आठ बजे तक यातायात में बदलाव किया गया। जरूरत के अनुसार वाहनों को वैकल्पिक मार्गों पर भेजने की व्यवस्था की गई।

7 साल बाद... न्यूजीलैंड में भारत ने जीती वनडे सीरीज



माउंट माउंगानुई, आरएनएन। भारत ने पांचवें और आखिरी वनडे में न्यूजीलैंड को 22 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज 3-1 से जीत ली। भारत ने सात साल बाद न्यूजीलैंड की धरती पर वनडे सीरीज अपने नाम की है। 210 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की टीम 187 रन पर सिमट गई। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 209 रन बनाए थे। अक्षर पटेल और ईशान किशन ने 46-46 रन की पारियां खेलीं। लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम एक समय दो विकेट पर 82 रन बनाकर मजबूत स्थिति में थी, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने लगातार विकेट लेकर मैच का रुख पलट दिया। अर्शदीप ने तीन विकेट लिए, जबकि सिराज और अक्षर को दो-दो सफलताएं मिलीं।

THE UNCOVERED UPDATE
सच जो छुपा था, अब सामने है
हिन्दी समाचार पत्र
जयपुर अपडेट
गुलाबी शहर की हर खबर
| Digital Edition |
RJHIN/25/A4779
सोमवार, 16 नवंबर, 2026

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में बढ़ेंगे 1.23 लाख पद, विधायक के तारांकित प्रश्न के जवाब में हुआ खुलासा

शिक्षा विभाग ने स्टाफिंग पैटर्न की समीक्षा और नए पदों के सृजन की दिशा में कार्रवाई शुरू की है



द अनकवर्ड अपडेट

बीकानेर। राजस्थान के सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों एवं अन्य कार्मिकों की कमी दूर करने की दिशा में शिक्षा विभाग ने महत्वपूर्ण कदम की कवायद शुरू हुई है. प्रदेश के माध्यमिक शिक्षा विभाग में वर्तमान में स्वीकृत 3.92 लाख पदों की संख्या बढ़ाकर 5.15 लाख किए जाने की तैयारी की जा रही है. प्रस्तावित बदलाव के तहत प्रदेश के सरकारी विद्यालयों में कुल 1,23,186 नए पदों का सृजन किया जाएगा. इस संबंध में शिक्षा विभाग ने विभागीय स्तर पर प्रक्रिया आगे बढ़ानी शुरू कर दी है.

विधायक के सवाल के बाद हरकत- इस पूरे मामले को विधानसभा में उठाने वाले बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास की पहल भी महत्वपूर्ण रही. विधायक व्यास ने 16वीं विधानसभा के पंचम सत्र में तारांकित प्रश्न संख्या 3589 के माध्यम से शिक्षा विभाग के स्टाफिंग पैटर्न और प्रदेश के सरकारी विद्यालयों में स्वीकृत पदों की स्थिति को लेकर सवाल उठाया था. उन्होंने विद्यालयों में आवश्यकता के अनुरूप पदों की उपलब्धता और कार्मिकों की कमी से जुड़े विषय को विधानसभा के माध्यम से सरकार के सामने रखा था. अब इस प्रश्न के जवाब के बाद शिक्षा विभाग ने स्टाफिंग पैटर्न की समीक्षा और नए पदों के सृजन की दिशा में कार्रवाई शुरू की है.

नए स्टाफिंग पैटर्न में जरूरतमंद स्कूलों को मिलेगी प्राथमिकता - शिक्षा विभाग की प्रस्तावित व्यवस्था के अनुसार नए स्टाफिंग पैटर्न में विद्यालयों की वास्तविक आवश्यकता को प्राथमिकता दी जाएगी. इसके तहत सबसे पहले उन सरकारी स्कूलों में पद सृजित किए जाएंगे, जहां वर्तमान में किसी पद की स्वीकृति नहीं है. इसके बाद ऐसे विद्यालयों में पदों की व्यवस्था की जाएगी, जहां विद्यार्थियों की संख्या और शैक्षणिक आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षकों एवं अन्य कार्मिकों की कमी है. इस व्यवस्था का उद्देश्य प्रदेश के सभी सरकारी विद्यालयों में कार्मिकों का संतुलित वितरण सुनिश्चित करना है. कई विद्यालयों में आवश्यकता के अनुरूप पद स्वीकृत नहीं होने से शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्य प्रभावित होते हैं. वहीं कुछ विद्यालयों में पद स्वीकृत होने के बावजूद रिक्तियां बनी हुई हैं. नए स्टाफिंग पैटर्न की समीक्षा से इस असंतुलन को दूर करने में मदद मिलने की उम्मीद है.

मंत्रालयिक और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के भी बढ़ेंगे पद - प्रस्तावित 1,23,186 नए पदों में विभिन्न शिक्षक संवर्गों के साथ अन्य कार्मिकों के पद भी शामिल होंगे. इनमें मंत्रालयिक कर्मचारियों के सर्वाधिक 29,127 नए पद प्रस्तावित हैं. इसके अलावा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के 24,979 पद बढ़ाए जाने की तैयारी है. इससे सरकारी विद्यालयों में शिक्षण कार्य के साथ कार्यालयी और अन्य व्यवस्थाओं को भी मजबूती मिलने की संभावना है. माध्यमिक शिक्षा विभाग में स्वीकृत पदों की संख्या 3.92 लाख से बढ़ाकर 5.15 लाख किए जाने का प्रस्ताव लागू होने पर प्रदेश की स्कूल शिक्षा व्यवस्था में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है. इससे विद्यालयों में कार्मिकों की उपलब्धता बेहतर होगी और लंबे समय से रिक्त पदों की समस्या का समाधान करने में भी सहायता मिलेगी.

आगामी भर्तियों के लिए भी खुल सकता है रास्ता- नए पदों के सृजन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इससे भविष्य में शिक्षक एवं अन्य कार्मिकों की नई भर्तियों के अवसर बढ़ सकते हैं. स्टाफिंग पैटर्न की समीक्षा के बाद पदों की वास्तविक आवश्यकता निर्धारित होने पर विभाग आगामी भर्ती प्रक्रिया की दिशा में भी आगे बढ़ सकेगा. हालांकि नए पदों का सृजन और उन पर भर्ती की प्रक्रिया अलग-अलग विभागीय एवं प्रशासनिक चरणों के माध्यम से पूरी होगी. विधायक जेठानंद व्यास द्वारा विधानसभा में तारांकित प्रश्न के माध्यम से उठाया गया यह मुद्दा अब विभागीय कार्रवाई के स्तर तक पहुंच गया है. प्रदेश के सरकारी विद्यालयों में पदों की संख्या बढ़ाने की प्रस्तावित पहल को शिक्षा व्यवस्था में सुधार, कार्मिकों की कमी दूर करने और भविष्य में रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

ओवरस्पीड बस ने बोलेरो-एम्बुलेंस सहित तीन गाड़ियों को मारी टक्कर, एक युवक की मौत, गाड़ियों में फंसे लोगों को मुश्किल से निकाला

द अनकवर्ड अपडेट



जयपुर। जयपुर ग्रामीण क्षेत्र में प्राइवेट बस और एम्बुलेंस सहित तीन वाहनों में आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे में एक युवक की मौत हो गई। जोबनेर-रेनवाल हाईवे पर भोजपुरा स्टैंड के पास रविवार देर शाम करीब 6:45 बजे यह हादसा हुआ। हादसा भोजपुरा बस स्टैंड से करीब 300 मीटर दूर हुआ। टक्कर के बाद पलटी बोलेरो और कार में फंसे लोगों को निकालने में पुलिस को मशक्कत करनी पड़ी। हादसे में करीब 16 घायल हुए।

एएसआई मदनलाल ने बताया- हादसे में दूदू के लातेड़िया निवासी विश्राम जाट (35) पुत्र भूराराम जाट की मौत हो गई। उसके साथ बोलेरो में दो और लोग मौजूद थे। वे घायल हो गए। मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखा गया है। घायलों को जोबनेर और रेनवाल अस्पताल ले जाया गया। इनमें से 6 घायलों को कालवाड़ रोड स्थित चिरायु अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं एक गंभीर घायल को स्रू अस्पताल रेफर किया गया। अन्य घायलों को प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई।

बोलेरो को टक्कर मारने के बाद एंबुलेंस और कार को मारी टक्कर

एसआई लक्ष्मण ने बताया- प्राइवेट कंपनी की बस सवारियां लेकर जयपुर से दांतारामगढ़ जा रही थीद्य हाईवे पर भोजपुर बस स्टैंड के पास ओवर स्पीड बस और बोलेरो की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। इसके बाद अनियंत्रित बस ने एम्बुलेंस और एक कार को चपेट में ले लिया। तीनों गाड़ियों को टक्कर मारते हुए बस क्षतिग्रस्त होकर बंद हो गई।

रेनवाल और जोबनेर अस्पताल पहुंचे घायल

साह (जोबनेर) मोतीलाल शर्मा ने बताया- हादसे में बोलेरो गाड़ी आगे से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। बोलेरो में फंसे दो-तीन लोगों को पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से काफी मशक्कत कर बाहर निकाला। साथ ही बस में सवार यात्रियों को रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर बाहर निकलवाया। रेनवाल और जोबनेर हॉस्पिटल की एंबुलेंस को बुलाकर हादसे में घायल करीब 16 लोगों को एडमिट कराया गया। पुलिस ने करीब 1 घंटे की मशक्कत के बाद क्षतिग्रस्त गाड़ियों को रोड किनारे कर ट्रैफिक शुरू करवाया।

महाराष्ट्र से खाटूश्यामजी दर्शन करने आया था पेशेंट

ASI मदनलाल ने बताया- बस और बोलेरो की आमने-सामने भिड़ंत हुई। इसके बाद कार और एंबुलेंस को बस ने टक्कर मारी। एंबुलेंस में महाराष्ट्र का एक कैंसर पीड़ित व्यक्ति खाटूश्यामजी दर्शन करने आया था। दर्शन करने के बाद वह वापस एंबुलेंस से महाराष्ट्र जा रहा था। हालांकि एंबुलेंस में सवार व्यक्तियों को मामूली चोट आई है।

छठ पूजा, जयपुर में गलता तीर्थ और जैसलमेर में गड़ीसर सरोवर में व्रतियों ने दिया सूर्य को अर्घ्य

पूजा की पारंपरिक सामग्री, फल, फूल और नई फसलों से तैयार प्रसाद के साथ महिलाओं ने विधिवत पूजा की

द अनकवर्ड अपडेट



जयपुर/जैसलमेर। 'सुन ले अरजिया हमार हे छठी मैया...' जैसे भोजपुरी लोकगीतों की गूंज और दीपों की रोशनी के बीच रविवार को राजधानी में छठ महापर्व की छटा बिखरी. गलता तीर्थ सहित शहर में जगह-जगह बनाए गए कृत्रिम जलाशयों पर छठी मैया के गीतों की धुनों पर श्रद्धालु झूमते नजर आए. वहीं शाम को व्रतियों ने पानी में खड़े होकर अस्त होते सूर्य को अर्घ्य दिया. बांस के सूप और डाले में फल, ठेकुआ और पारंपरिक प्रसाद सजाकर छठी मैया की पूजा की गई. इस दौरान पूर्वांचल की संस्कृति और परंपरा साकार होती दिखी. वहीं जैसलमेर में पारंपरिक वेशभूषा में सजी-धजी महिलाओं ने छठी मैया की पूजा-अर्चना की और गड़ीसर सरोवर में अस्ताचलगामी सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की लंबी आयु और खुशहाली की कामना की.

गलता तीर्थ में मेले जैसा माहौल : लोकआस्था के महापर्व डाला छठ पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु गलता तीर्थ सहित शहर के विभिन्न जलाशयों और घाटों पर पहुंचे. महिलाओं और पुरुषों ने 36 घंटे का निर्जला व्रत रखकर परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की लंबी उम्र और खुशहाली की कामना की. शाम को सूर्यास्त के समय श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित किया. यहां छठ पूजा पर दिनभर परिसर में मेले जैसा माहौल रहा. बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड से जुड़े परिवारों के साथ बड़ी संख्या में अन्य श्रद्धालु भी यहां पूजा में शामिल हुए. व्रतियों ने बताया कि जलकुंड में खड़े होकर उन्होंने डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया और छठी मैया की पूजा कर परिवार की खुशहाली की कामना की.

जयपुर में गलता तीर्थ में दीवाली जैसा नजारा

ठेकुआ, गन्ने और फलों से सजे डाले : शाम ढलने के साथ ही गलता तीर्थ का नजारा दीपावली जैसा हो गया. जगह-जगह दीप जलाए गए और श्रद्धालुओं ने आतिशबाजी कर उत्सव की खुशी मनाई. बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में पर्व को लेकर खास उत्साह नजर आया. वहीं छठ पूजा में पारंपरिक प्रसाद और पूजन सामग्री का भी विशेष महत्व रहा. श्रद्धालु बांस के सूप और डाले में ठेकुआ, गन्ना, केला, नींबू, मूली और अन्य मौसमी फल व पकवान सजाकर घाटों पर पहुंचे. लोकगीतों के बीच व्रतियों ने सूर्यदेव की आराधना की. रात तक गलता तीर्थ में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही. लोग छठी मैया के पारंपरिक गीत गाते और उनकी धुनों पर झूमते नजर आए.

प्रशासन ने किए सुरक्षा और सुविधाओं के इंतजाम : अतिरिक्त जिला कलेक्टर आशीष कुमार ने बताया कि हर साल की तरह इस बार भी गलता तीर्थ में कार्तिक स्नान और छठ पूजा के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई. 13 से 16 नवंबर तक श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए साफ-सफाई, रोशनी, शौचालय और फायर ब्रिगेड की व्यवस्था की गई. भीड़ नियंत्रण के लिए बैरिकेडिंग की गई और महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस का अतिरिक्त जाब्ता तैनात किया गया. परिसर में सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखने के साथ संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए गए. श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए वाहनों की पार्किंग और यातायात व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई, ताकि पूजा के लिए आने वाले लोगों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े.

उगते सूर्य को अर्घ्य देकर खुलेगा व्रत : चार दिनों तक चलने वाले इस पर्व में नहाय-खाय, खरना, संध्याकालीन अर्घ्य और उषाकालीन अर्घ्य के जरिए सूर्यदेव और छठी मैया की आराधना की जाती है. चार दिवसीय महापर्व का समापन सोमवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ होगा. छठ महापर्व के अंतिम दिन सोमवार को व्रती उगते सूर्य को अर्घ्य देंगे. इसके बाद छठी मैया की पूजा कर 36 घंटे का निर्जला व्रत खोला जाएगा.

खास बात यह रही कि छठ पूजा के इस आयोजन को देखने के लिए जैसलमेर के स्थानीय बाशिंदों के साथ देश के विभिन्न हिस्सों से आए पर्यटक भी पहुंचे. देशी और विदेशी सैलानियों ने इस अनूठी परंपरा को करीब से देखा और कैमरों में इन खूबसूरत पलों को कैद किया. सेना, बीएसएफ सहित केंद्र और राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में कार्यरत पूर्वी भारत के कार्मिकों और अन्य कामगारों ने भी अपने परिवारों के साथ पूजा में भाग लिया. गड़ीसर सरोवर पर उमड़ा यह जनसमूह बता रहा था कि भले ही लोगों की जन्मभूमि अलग हो।

हाईकोर्ट ने कहा-शादी अब कॉन्ट्रैक्ट की तरह देखी जाती है] जन्म-जन्मांतर के संस्कार वाली सोच बदली, 16 साल की शादी आपसी सहमति से खत्म की



द अनकवर्ड अपडेट

राजस्थान हाईकोर्ट ने पति-पत्नी की आपसी सहमति से 16 साल पुरानी शादी को खत्म कर दिया है। जस्टिस सुदेश बंसल और जस्टिस अनुरूप सिंघी की अदालत ने यह आदेश फैमली कोर्ट के फैसले के खिलाफ दायर पत्नी की अपील को निस्तारित करते हुए दिया।

कोर्ट ने कहा- हिंदू मैरिज एक्ट में धारा-13बी (आपसी सहमति से तलाक) जुड़ने के बाद अब हिंदू विवाह के जन्म-जन्मांतर के संस्कार होने की पुरानी धारणा में मौलिक बदलाव आया है। अब शादी को एक अनुबंध (कॉन्ट्रैक्ट) के तौर पर देखा जाता है।

जिसे पक्षकार (पति-पत्नी) आपसी सहमति से शुरू कर सकते हैं। रिश्ता न चले तो आपसी सहमति से समाप्त भी कर सकते हैं।

फैमिली कोर्ट ने साथ रहने के आदेश दिए थे

फैमिली कोर्ट ने पति के वैवाहिक अधिकारों की पुनर्स्थापना (पहले जैसी स्थिति) की याचिका को स्वीकार करते हुए पत्नी को उसके साथ रहने के आदेश दिए थे।

जिसे पत्नी ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। लेकिन हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान दोनों ने आपसी सहमति से तलाक का प्रार्थना पत्र दायर किया।

कोर्ट का कर्तव्य-पक्षकारों की पीड़ा को समझे

इस मामले में अदालत के सामने मुख्य कानूनी सवाल यह था कि क्या धारा-9 (वैवाहिक अधिकारों की पुनर्स्थापना) के खिलाफ लंबित अपील को सीधे धारा-13बी (आपसी सहमति से तलाक) की याचिका में परिवर्तित किया जा सकता है?

इस पर कोर्ट ने कहा- वैवाहिक मुकदमे एक विशेष श्रेणी में आते हैं। अदालतों का यह कर्तव्य है कि वे पक्षकारों की पीड़ा और मानसिक कष्ट को समझे। वहीं ऐसे मामलों को समाप्त करने के लिए समझौते को प्राथमिकता दें।

6 महीने की प्रतीक्षा केवल पीड़ा बढ़ाएगी

आपसी सहमति से होने वाले तलाक में अर्जी दायर करने के बाद 6 महीने की कूलिंग-ऑफ अवधि गुजारना जरूरी है। लेकिन हाईकोर्ट ने कहा कि दोनों करीब 7 साल से अलग रह रहे हैं। इनके आपसी सुलह के सभी प्रयास विफल हो चुके हैं। ऐसे में 6 महीने की प्रतीक्षा केवल इनकी पीड़ा को और अधिक बढ़ाएगी। ऐसे में अदालत ने 6 महीने की प्रतीक्षा अवधि को माफ कर दिया।

16 साल पहले हुई थी शादी

16 साल पहले दोनों की शादी 5 फरवरी 2010 को हुई थी। उनके एक 15 साल का बेटा भी है। दोनों दिसंबर 2019 से अलग रह रहे हैं। फैमली कोर्ट-1, अजमेर ने 7 अगस्त 2025 को पति की वैवाहिक अधिकारों की पुनर्स्थापना याचिका पर उसके पक्ष में फैसला देते हुए पत्नी को उसके साथ रहने के आदेश दिए थे।

इसके खिलाफ पत्नी ने हाईकोर्ट में अपील दायर की थी। अपील के लंबित रहने के दौरान ही दोनों मध्यस्थता (मीडिएशन) और परिजनों के प्रयासों से आपसी सहमति से तलाक लेने पर सहमत हो गए और 8 अक्टूबर 2026 को एक संयुक्त आवेदन हाईकोर्ट में पेश किया।

कुचामन में कल 41 पंचायतों में मतदान, चितावा में 22 दावेदारों के बीच सबसे कड़ा मुकाबला

द अनकवर्ड अपडेट



डीडवाना-कुचामन। जिले के कुचामन सिटी क्षेत्र की 41 ग्राम पंचायतों में कल 16 नवंबर को सरपंच एवं वार्ड पंच पदों के लिए मतदान आयोजित किया जाएगा.मतदान को लेकर प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं. सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होगा, जिसके तुरंत बाद सभी ग्राम पंचायतों में मतगणना शुरू कर दी जाएगी. देर रात तक चुनाव परिणाम आने की संभावना है.17 नवंबर को उपसरपंच पद के चुनाव संपन्न होंगे

चितावा ग्राम पंचायत बनी चुनाव की सबसे बड़ी हॉट सीटः इस बार पूरे क्षेत्र में सबसे अधिक चर्चा कुचामन सिटी क्षेत्र की चितावा ग्राम पंचायत की हो रही है. सामान्य सीट होने के कारण यहां सरपंच पद के लिए रिकॉर्ड संख्या में उम्मीदवार मैदान में उतरे हैं. चितावा ग्राम पंचायत से सरपंच पद के लिए 22 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं, जो अपने आप में ऐतिहासिक माना जा रहा है. ग्राम पंचायत चितावा में कुल 6,805 मतदाता हैं, जिनके हाथों में इस बार गांव का नेतृत्व चुनने की जिम्मेदारी होगी चितावा ग्राम पंचायत के सरपंच पद के उम्मीदवारः उप जिला कलेक्टर सुरेंद्र चौधरी के अनुसार चितावा ग्राम पंचायत से सरपंच पद के लिए कुल 22 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं. इनमें अजयपाल, ईशनरराम, कानाराम, कंचन जांगिड़, गणेश राम, गंगा सिंह, जितेन्द्र सिंह, पुखराज कासोटिया, प्रकाश राम, प्रकाश सिंह, मनोज कुमार, महिपाल सिंह, मुकन सिंह, राजावत छोटू सिंह, राजूराम, लिछमण राम, विक्रम प्रसाद, विक्रम सिंह, सुभाषचन्द, सुशीला कुमारी, सोहनलाल एवं हरलाल सिंह शामिल हैं. 1.55 लाख से अधिक मतदाता करेंगे मताधिकार का प्रयोगः इस चुनाव में कुल 1,55,703 मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे. क्षेत्र की 41 ग्राम पंचायतों में 570 वार्ड पंच उम्मीदवार तथा 297 सरपंच पद के प्रत्याशी चुनावी मैदान में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं. मतदान को लेकर गांवों में उत्साह का माहौल है और मतदाता अपनी ग्राम सरकार चुनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं. इन 41 ग्राम पंचायतों में होगा मतदानःचितावा, हुडील, नंगवाडा, सबलपुरा, घाटवा, हिराणी, लालास, जसराणा, जिलिया, पांचवा, रसाल, उगरपुरा, मण्डावरा, परवेडी, चांदपुरा, करकेडी, खोरण्डी, लाम्बा, मोतीपुरा, राणासर, रूपपुरा, आनन्दपुरा, चारणवास, दौलतपुरा, दीपपुरा, कुकनवाली, नारायणपुरा, टोडास, अड़कसर, रावां, खारिया, नालोट, पदमपुरा-सरगोठ, प्रेमपुरा, शिव, ठठाणा, भांवता, चावण्डिया, इण्डाली, जिजोट एवं पलाडा ग्राम पंचायतों में मतदान आयोजित किया जाएगा. प्रशासन पूरी तरह तैयारः निर्वाचन प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन द्वारा सभी मतदान केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं. सुरक्षा बलों की तैनाती, मतदान दलों की नियुक्ति और मतदान सामग्री का वितरण पूरा कर लिया गया है।

प्रवासी राजस्थानी दिवस की तैयारियों को लेकर उच्चस्तरीय बैठक

प्रदेश की विकास यात्रा में प्रवासी राजस्थानी महत्वपूर्ण भागीदारः भजनलाल शर्मा



जयपुर(नि.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी प्रदेश की विकास यात्रा में महत्वपूर्ण भागीदार हैं। ऐसे में प्रवासी राजस्थानी दिवस प्रदेश के प्रवासी राजस्थानियों के लिए अपनी जन्मभूमि से जुड़ने का महत्वपूर्ण अवसर है। इस आयोजन के माध्यम से प्रवासी राजस्थानियों को प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक धरोहर और निवेश की संभावनाओं से परिचित कराया जाए। मुख्यमंत्री ने शनिवार को प्रवासी राजस्थानी दिवस के आयोजन की तैयारियों को लेकर उच्चस्तरीय बैठक में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।



वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर आएंगी शेखावाटी की ऐतिहासिक हवेलियां-उन्होंने कहा कि शेखावाटी की हवेलियां राजस्थान की ऐतिहासिक विरासत, समृद्ध कला-संस्कृति और स्थापत्य की पहचान हैं, इन्हें वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर लाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में प्रवासी राजस्थानी दिवस के तहत आयोजित होने वाले तीन दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत 8 दिसम्बर को झुंझुनूं के खेतड़ी स्थित अभयगढ़ में शेखावाटी हेरिटेज मीट आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने सीकर, झुंझुनूं और चूरू के प्रमुख प्रवासी राजस्थानियों, उद्योगपतियों और हवेली मालिकों को आयोजन से जोड़ने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 8 दिसम्बर को शेखावाटी हेरिटेज मीट के बाद 9 दिसम्बर को जयपुर स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में सांस्कृतिक संध्या आयोजित की जाएगी।

राज्यपाल ने जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ की विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा

नशा मुक्त एवं टीबी मुक्त अलवर सहित शिक्षा व्यवस्था में उत्तरोत्तर सुधार के लिए उठाएं आवश्यक कदम : राज्यपाल



जयपुर/अलवर(वि.सं.)। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने मिनी सचिवालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर नशामुक्ति, टीबी मुक्त भारत अभियान, शिक्षा व्यवस्था सहित महत्वपूर्ण योजनाओं व कार्यों की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में राज्यपाल श्री बागडे ने नशामुक्त अभियान की समीक्षा के दौरान अवैध शराब की बिक्री सहित नशीले मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि समन्वित प्रयास कर विद्यालयों एवं महाविद्यालयों को नशा मुक्त बनाने के लिए व्यापक स्तर पर जनजागरूकता संवाद गतिविधियां संचालित कर युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत करावें। उन्होंने जिले को नशामुक्त बनाने के लिए प्रभावी मॉनिटरिंग करने के साथ जन जागरूकता गतिविधियां को बढ़ाने के निर्देश दिए। राज्यपाल श्री बागडे ने टीबी मुक्त भारत अभियान की समीक्षा के दौरान जिले को टीबी मुक्त बनाने के लिए सघन स्क्रीनिंग, नियमित उपचार तथा पात्र मरीजों को निक्षय पोषण सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होनें निर्देशित किया कि टीबी के जल्द उपचार के लिए मरीजों को आइसोलेशन में रखने की व्यवस्था करें एवं नियमित काउंसलिंग प्रदान करें। उन्होनें टीबी मुक्त अभियान को और अधिक प्रभावी रूप से संचालित कर आमजन को ज़मीनी स्तर पर लाभ पहुँचाने के निर्देश दिए। उन्होंने अलवर जिले को टीबी मुक्त जिला बनाने के संदर्भ में किये जा रहे प्रयासों पर संतोष जाहिर किया। राज्यपाल श्री बागडे ने शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार के लिए विद्यार्थियों की प्रारंभिक शिक्षा की गुणवत्ता, लर्निंग क्षमता सुधार, बौद्धिक क्षमतावर्धन एवं व्यक्तित्व विकास पर बल दिया। उन्होंने बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों को बेहतर करने के लिए शिक्षकों एवं अभिभावकों के समन्वित प्रयासों और विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उचित मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए



पिछली परिवर्तन महोत्सव युवाओं को धर्म व संस्कृति से जोड़ने का अपूर्व अवसर-राज्यपाल



जयपुर। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे रविवार को चाकसू तहसील के ग्राम निमोडिया पहुंचे। उन्होंने वहां जैन संत आचार्य प्रज्ञासागर जी महाराज के सान्निध्य में आयोजित चातुर्मास समारोह में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने वहां पिच्छी परिवर्तन महोत्सव में भी भाग लिया।

आईआईटीएफ- 2026

प्रमुख आवासीय आयुक्त रोहित कुमार ने भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में राजस्थान मंडप का किया उद्घाटन



जयपुर(नि.सं.)। नई दिल्ली के प्रगति मैदान में शुरू हुए 15 दिवसीय भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में राज्य के प्रमुख आवासीय आयुक्त श्री रोहित कुमार ने राजस्थान मंडप का विधिवत रूप से दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर राजस्थान मंडप के निदेशक श्री हर्ष शर्मा ने श्री रोहित कुमार को मंडप का अवलोकन करवाते हुए बताया कि इस वर्ष राजस्थान पार्टनर स्टेट है और राजस्थान मण्डप को 'विकास और विरासत' की थीम के अनुरूप तैयार किया गया है। रोहित कुमार ने राजस्थान मण्डप के सभी स्टॉल का अवलोकन कर राजस्थानी कलाकारों और हुनरबंद कारीगरों का उत्साह बढ़ाया। मंडप निदेशक ने बताया कि मेले में मण्डप को उद्योग व पर्यटन विभाग, रीको, बीआईपी, खादी, राजीविका की सहभागिता से और भी समृद्ध बनाया गया है। यहां राजस्थान के पारंपरिक व्यंजन और हस्तशिल्प उत्पादों के स्टॉल भी लगाई गई हैं। मेले में राजस्थान लघु उद्योग निगम लिमिटेड द्वारा लगभग एक हजार वर्ग मीटर क्षेत्रफल में राजस्थान मंडप का निर्माण किया गया है। इसमें राजस्थान की औद्योगिक प्रगति, सांस्कृतिक विविधता, कला, शिल्प, पर्यटन और निवेश की संभावनाओं की विशिष्ट झलक देखने को मिल रही है।

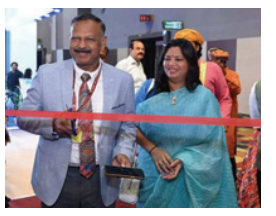

न्यूज ब्रीफ

सोशल मीडिया पर खौफ फैलाने वाले 30-हिस्ट्रीशीटरों पर डिजिटल स्ट्राइक

अवैध हथियारों के साथ डालते थे रील्स, इंस्टाग्राम अकाउंट करवाए ब्लॉक

झालावाड़(वि.सं.)। सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन, गैंगस्टर कल्चर का महिमामंडन और खतरनाक स्टंट से युवाओं को अपराध की दुनिया की ओर आकर्षित करने वाले बदमाशों पर झालावाड़ पुलिस ने डिजिटल स्ट्राइक की है।

पुलिस ने जिले के 30 हिस्ट्रीशीटर और हार्डकोर अपराधियों के इंस्टाग्राम अकाउंट ब्लॉक करवा दिए हैं। इनके सोशल मीडिया अकाउंट से लोगों में भय फैलाने और अपराध को बढ़ावा देने वाली पोस्ट व रील्स अपलोड की जा रही थीं। पुलिस ने IT एक्ट के तहत कार्रवाई के लिए मेटा के सहयोग पोर्टल के जरिए इन आपराधिक प्रोफाइल को हटवाया है।

दिल्ली में जयपुर की रिया की कलाकृतियों की खास मौजूदगी

एवरीथिंग ब्लू में दिख रहे नीले रंग के अनगिनत रंग, शांति और सुकून का अहसास कराता

जयपुर(नि.सं.)। कला, रंगों और रचनात्मक अभिव्यक्ति के विविध रूपों को समेटे मटेरियल मैटर्स प्रदर्शनी इन दिनों राजधानी दिल्ली के गुर्जराल हाउस में दर्शकों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इस प्रदर्शनी में रिया गुप्ता की कलाकृतियां भी प्रदर्शित की गई हैं। खास बात यह है कि उनकी कलात्मक प्रस्तुति एवरीथिंग ब्लू के माध्यम से नीले रंग की विविध छटाओं, भावनाओं और कल्पनाओं को देखने का एक अलग अनुभव मिलता है। मटेरियल मैटर्स में आठ अलग-अलग कलात्मक संसार तैयार किए गए हैं। इनमें एवरीथिंग ब्लू एक ऐसा विषय है, जिसमें नीले रंग को केवल एक रंग के रूप में नहीं, बल्कि भावनाओं, संवेदनाओं और दृश्य अभिव्यक्ति के माध्यम के तौर पर प्रस्तुत किया गया है।

बाल दिवस पर 21 प्रतिभाओं को मिला 'प्रारब्ध रत्न' सम्मान

जयपुर। बाल दिवस के अवसर पर प्रारब्ध फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान एवं प्रोत्साहन समारोह 'अभिनन्दन' का आयोजन किया गया। राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के झालाना स्थित मिनी ऑडिटोरियम-2 में आयोजित समारोह में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से चुनी गई 21 बाल प्रतिभाओं को उनकी उपलब्धियों के लिए 'प्रारब्ध रत्न' सम्मान प्रदान किया गया।



अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के कल्याण संबंधी संसदीय समिति ने जयपुर में राज्य की योजनाओं की समीक्षा की

अनुसूचित जाति उपयोजना का बजट आवंटन करीब 61 प्रतिशत और जनजातीय उपयोजना का करीब 54 प्रतिशत बढ़ा : मुख्य सचिव





जयपुर(नि.सं.)। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के कल्याण संबंधी संसदीय समिति ने जयपुर के तीन दिवसीय अध्ययन दौरे के दूसरे दिन अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के कल्याण के लिए राज्य में चल रही योजनाओं की समीक्षा की। सभापति डॉ. फग्गन सिंह कुलस्ते की अध्यक्षता में हुई बैठक में मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने समिति का स्वागत किया और मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में संचालित कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति बताई। वित्त वर्ष 2022-23 के मुकाबले 2026-27 में अनुसूचित जाति उपयोजना का आवंटन 29,116 करोड़ रुपये से बढ़कर 46,995 करोड़ रुपये और जनजातीय उपयोजना का आवंटन 23,569 करोड़ रुपये से बढ़कर 36,184 करोड़ रुपये हो गया है। सभापति डॉ. कुलस्ते ने अत्याचार निवारण अधिनियम के क्रियान्वयन और इसके तहत दर्ज मामलों में दोषसिद्धि की दर की जानकारी मांगी। मुख्य सचिव ने बताया कि जनवरी 2024 से जनवरी 2026 के बीच जांच के लिए लंबित मामले 2,456 से घटकर 1,007 रह गए। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 919 विभागीय छात्रावासों में दोनों वर्गों के 33,170 विद्यार्थी रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। वहीं, 31 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में 12,300 से अधिक जनजातीय विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना के तहत वर्ष 2021-22 से दोनों वर्गों के 36,255 युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई गई है। साथ ही, हाथ से मैला उठाने की प्रथा के उन्मूलन के लिए प्रभावित परिवारों को समय पर मुआवजा देने और सीवर व मैनहोल की मशीनी सफाई पर जोर दिया जा रहा है।

सरकार बनाने की अपील

नेतन्याहू ने आइजनकोट को साथ मिलकर सरकार बनाने को कहाःपूर्व सेना प्रमुख ने प्रस्ताव ठुकराया

बोले- नेतन्याहू चुनाव हार चुके हैं, उनकी चाल में नहीं फंसूंगा



तेल अवीव(एजेंसी)। इजराइल के कार्यवाहक प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गादी आइजनकोट से मिलकर सरकार बनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा के लिए सभी बड़ी पार्टियों को एक साथ आना चाहिए। हालांकि, आइजनकोट ने कुछ ही मिनट बाद नेतन्याहू का प्रस्ताव ठुकरा दिया। उन्होंने कहा;- नेतन्याहू जानते हैं कि वे चुनाव हार चुके हैं। वे ऐसे समय बातचीत की अपील कर रहे हैं, जब बातचीत पहले से चल रही है। उनकी ये चालें मुझ पर काम नहीं करेंगी। आइजनकोट इजराइल के पूर्व सेना प्रमुख हैं। राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने पिछले हफ्ते उन्हें नई सरकार बनाने की जिम्मेदारी सौंपी थी। इसके लिए उन्हें 28 दिन का समय मिला है। जरूरत पड़ने पर 14 दिन और मिल सकते हैं।

नेतन्याहू बोले- ईरान के परमाणु खतरे को खत्म करना जरूरी

नेतन्याहू ने शनिवार को वीडियो संदेश जारी कर कहा कि ईरान एक बार फिर अपना परमाणु कार्यक्रम शुरू करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि ईरान इजराइल को खत्म करना चाहता है और मौका मिलने पर उसके खिलाफ परमाणु हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है। इसलिए इजराइल को ईरान के परमाणु खतरे को हमेशा के लिए खत्म करना होगा।

मुंबई के कारोबारी से डी-कंपनी के नाम पर मांगी गई 5 करोड़ की फिरौती

मुंबई(एजेंसी)। मुंबई में एक कारोबारी से डी कंपनी के नाम पर 5 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने और पैसे नहीं देने पर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। कारोबारी मोहम्मद फारूक मोहम्मद हनीफ शेख ने इस मामले में मुंबई पुलिस के जॉइंट कमिश्नर ऑफ पुलिस (क्राइम) को लिखित शिकायत देकर कार्रवाई और सुरक्षा की मांग की है। शिकायत में बिल्डर रिजवी की पत्नी रुबीना रिजवी और गुंडे रियाज भाटी पर आरोप लगाए गए हैं। कारोबारी का आरोप है कि रुबीना रिजवी ने उनसे वकील की फीस और रिजवी के एंटीसिपेटरी बेल मामले में एनओसी को लेकर संपर्क किया था।



अमिताभ के घर फायरिंग की प्लानिंग, 2 शूटर अरेस्ट

एक्टर पर सिख विरोधी बयान देने का आरोप; धमकी के बाद बुलेटप्रूफ ग्लास में दिखे थे

अमृतसर(एजेंसी)। अमिताभ बच्चन के घर फायरिंग करने की प्लानिंग के आरोप में दिल्ली पुलिस ने दो शॉर्पशूटर्स को अरेस्ट किया है। इनमें जालंधर का रहने वाला विकास ठाकुर और तरनतारन का निवासी दीपक सिंह शामिल हैं। दोनों विदेश में बैठे एक गैंगस्टर के लिए काम करते हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, गैंगस्टर 1984 के सिख दंगों पर अमिताभ के कथित बयान को लेकर उन्हें निशाना बनाना चाहता था। हालांकि, अमिताभ ने ऐसा कोई बयान देने से इनकार किया है। पुलिस के मुताबिक, विकास दिल्ली के एक कारोबारी पर रंगदारी के लिए फायरिंग करने आया था।

बाल दिवस पर बच्चों ने सड़क सुरक्षा रैली निकालकर दिया यातायात नियमों की पालना का संदेश

हेलमेट, सीट बेल्ट एवं वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग नहीं करने के प्रति किया जागरूक

जयपुर(नि.सं.)। बाल दिवस एवं 15 नवंबर को राज्य सड़क सुरक्षा दिवस तथा विश्व सड़क दुर्घटना पीड़ित स्मरण दिवस के उपलक्ष्य में यातायात पुलिस जयपुर और एक निजी विद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में भगवान दास रोड एवं आसपास सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली आयोजित की गई। रैली में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा विभिन्न संदेशों के माध्यम से आमजन को यातायात नियमों की पालना और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। पुलिस कमिश्नर श्री सचिन मित्तल, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (प्रशासन एवं यातायात) श्री प्रदीप मोहन, पुलिस उपायुक्त (यातायात) श्री प्रवीण नायक नूनावत के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य बाल दिवस के अवसर पर बच्चों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता विकसित करना तथा सड़क दुर्घटनाओं में जान गंवाने वाले लोगों को स्मरण कर आमजन को सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक करना रहा। रैली के दौरान विद्यार्थियों ने सड़क सुरक्षा से संबंधित स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर आमजन एवं वाहन चालकों को यातायात नियमों की पालना करने का संदेश दिया। बच्चों ने दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, कार में सीट बेल्ट लगाने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करने के लिए प्रेरित किया।



रीपा@70 **एच.सी.एम. रीपा के 70 गौरवशाली वर्षों के वर्षभर चलने वाले उत्सव का भव्य शुभारंभ**

'रन फॉर रीपा' को ए.सी.एस. प्रशिक्षण एवं महानिदेशक, एच.सी.एम. रीपा ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जयपुर(नि.सं.)। हरिश्चंद्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान (एच.सी.एम. रीपा) के 70वें स्थापना दिवस के अवसर पर आज संस्थान के 70 गौरवशाली वर्षों के वर्षभर चलने वाले उत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर आयोजित 'रन फॉर रीपा' को ए.सी.एस. प्रशिक्षण एवं महानिदेशक, एच.सी.एम. रीपा श्रीमती श्रेया गुहा ने प्रातः 7:00 बजे नेहरू भवन, एच.सी.एम. रीपा से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। 'रन फॉर रीपा' का आयोजन एच.सी.एम. रीपा के 70 गौरवशाली वर्षों की उत्कृष्टता के उत्सव के रूप में किया गया। नेहरू भवन से कुलिश स्मृति उद्यान और वहां से वापस नेहरू भवन तक लगभग 3 किलोमीटर की इस दौड़ में संस्थान के अधिकारी, संकाय सदस्य, कर्मचारी एवं अधिकारी प्रशिक्षुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर महानिदेशक श्रीमती गुहा ने संस्थान के 70 वर्षों की गौरवशाली यात्रा और संस्थान में प्रशिक्षणरत राज्य सेवा के आधारभूत प्रशिक्षण के प्रशिक्षुओं को संस्थान की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि 'रन फॉर रीपा' केवल एक दौड़ नहीं, बल्कि फिटनेस, फेलोशिप और संस्थागत गौरव की भावना का प्रतीक है।



सम्पादकीय

"मानवता सुख शांति प्रेम का, अखिल विश्व में हो
विस्तारस्वतंत्रता का हनन न होवे, रहे सुरक्षित जन अधिकार"

महंगाई की मार, आम आदमी बेहाल

अर्थव्यवस्था की मजबूती का आकलन केवल विकास दर और निवेश के आंकड़ों से नहीं किया जा सकता। इसकी असली कसौटी आम आदमी की आर्थिक स्थिति और उसकी क्रयशक्ति है। यदि आय में अपेक्षित बढ़ोतरी नहीं हो और रोजमर्रा की जरूरतों की कीमतें लगातार बढ़ती रहें तो आर्थिक विकास के दावे आम लोगों के लिए बेमानी हो जाते हैं। देश में खुदरा महंगाई के ताजा आंकड़े इसी चिंता को सामने ला रहे हैं। अक्टूबर 2026 में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 6.09 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो पिछले दो वर्षों का सबसे ऊंचा स्तर है। सबसे चिंताजनक स्थिति खाद्य वस्तुओं की है, जिनकी महंगाई दर बढ़कर 8.94 प्रतिशत हो गई है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार सितंबर में खुदरा महंगाई दर 5.54 प्रतिशत थी, जो अक्टूबर में बढ़कर 6.09 प्रतिशत हो गई। इस बढ़ोतरी के साथ महंगाई भारतीय रिजर्व बैंक की निर्धारित ऊपरी सहनशीलता सीमा को भी पार कर गई है। रिजर्व बैंक ने खुदरा महंगाई का लक्ष्य चार प्रतिशत रखा है और इसमें दो प्रतिशत तक की घट-बढ़ की गुंजाइश दी है। यानी महंगाई दर दो से छह प्रतिशत के बीच रहनी चाहिए। ऐसे में इसका छह प्रतिशत से ऊपर पहुंचना अर्थव्यवस्था के लिए चिंता का संकेत है।महंगाई की इस तस्वीर में खाद्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतें सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरी हैं। सितंबर में खाद्य महंगाई दर 7.74 प्रतिशत थी, जो अक्टूबर में बढ़कर 8.94 प्रतिशत हो गई। अनाज, सब्जियों और अन्य जरूरी खाद्य पदार्थों की कीमतों में बढ़ोतरी का सीधा असर घरेलू बजट पर पड़ता है। संपन्न परिवार कुछ गैरजरूरी खर्च कम करके स्थिति संभाल सकते हैं, लेकिन निम्न और मध्यम आयवर्ग के परिवारों के लिए भोजन जैसी बुनियादी जरूरतों पर खर्च घटाना आसान नहीं होता। ऐसे में उन्हें अपनी दूसरी आवश्यकताओं में कटौती करनी पड़ती है। महंगाई का असर केवल बाजार में खरीदारी तक सीमित नहीं रहता। जब आम परिवार की आय का बड़ा हिस्सा राशन, सब्जियों, दूध और ईंधन पर खर्च होने लगता है तो शिक्षा, स्वास्थ्य और बचत के लिए उपलब्ध राशि कम हो जाती है। इससे परिवारों की आर्थिक सुरक्षा प्रभावित होती है। लगातार बढ़ती कीमतें उपभोक्ताओं की क्रयशक्ति को कमजोर करती हैं और बाजार में मांग घटने की आशंका भी पैदा करती हैं। इसका असर अंततः उत्पादन, कारोबार और रोजगार पर पड़ सकता है। महंगाई में लगातार बढ़ोतरी का असर रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति पर भी पड़ सकता है। दिसंबर में होने वाली अगली मौद्रिक नीति समीक्षा में केंद्रीय बैंक के सामने महंगाई को नियंत्रित करने की चुनौती रहेगी। यदि महंगाई का दबाव बना रहता है तो ब्याज दरों में कटौती की संभावनाएं कमजोर हो सकती हैं। इसका असर उन लोगों पर पड़ेगा, जो मकान, वाहन और अन्य जरूरतों के लिए कर्ज ले चुके हैं। ब्याज दरों में राहत नहीं मिलने से उनकी मासिक किस्तों का बोझ लंबे समय तक बना रह सकता है। त्योहारों के दौरान मांग बढ़ने से कुछ वस्तुओं की कीमतों में तेजी आना सामान्य बात है, लेकिन खाद्य पदार्थों और ईंधन की महंगाई को केवल मौसमी मांग से जोड़कर नहीं देखा जा सकता। मौसम की अनिश्चितता और अल नीनो जैसी परिस्थितियां कृषि उत्पादन को प्रभावित कर सकती हैं। यदि फसलों की पैदावार पर प्रतिकूल असर पड़ा तो आने वाले महीनों में खाद्य महंगाई और बढ़ने का जोखिम रहेगा। ऐसे में समय रहते आपूर्ति व्यवस्था मजबूत करना और जरूरी वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना आवश्यक है। सरकार को महंगाई के मौजूदा दबाव के साथ भविष्य की चुनौतियों को भी ध्यान में रखना होगा। खाद्य पदार्थों की कीमतों पर निगरानी, जमाखोरी और कालाबाजारी पर नियंत्रण, पर्याप्त भंडारण तथा बाजार में समय पर आपूर्ति जैसे उपाय प्राथमिकता में होने चाहिए। केवल आंकड़ों के स्तर पर महंगाई का आकलन पर्याप्त नहीं है। जरूरी यह है कि राहत आम उपभोक्ता तक पहुंचे। विकास का वास्तविक लाभ तभी दिखाई देगा, जब आम आदमी की थाली, घरेलू बजट और बचत पर महंगाई का दबाव कम हो।

> **खुदरा महंगाई दो साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच चुकी है, खाद्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों ने घरेलू बजट को बिगाड़ दिया है। सरकार को महंगाई के मौजूदा दबाव के साथ भविष्य की चुनौतियों को भी ध्यान में रखना होगा। खाद्य पदार्थों की कीमतों पर निगरानी, जमाखोरी और कालाबाजारी पर नियंत्रण, पर्याप्त भंडारण तथा बाजार में समय पर आपूर्ति जैसे उपाय प्राथमिकता में होने चाहिए।**

रेयर अर्थ पर चीन का शिकंजा, भारत की आत्मनिर्भरता की परीक्षा

दुनिया की औद्योगिक और सामरिक ताकत अब केवल तेल, गैस और तकनीक से तय नहीं होगी, बल्कि उन खनिजों से भी तय होगी, जिनकी मात्रा भले ही सीमित न हो, लेकिन जिनकी आपूर्ति पर कुछ देशों का एकाधिकार है। रेयर अर्थ यानी दुर्लभ मृदा तत्व इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं। चीन ने इन खनिजों के निर्यात प्रतिबंधों पर लगी अंतरिम रोक को 10 जनवरी तक बढ़ाकर दुनिया को भले ही दो महीने की राहत दे दी हो, लेकिन इस फैसले ने एक बार फिर वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरियों को उजागर कर दिया है। भारत के लिए यह राहत किसी स्थायी समाधान का संकेत नहीं, बल्कि अपनी औद्योगिक निर्भरता कम करने के लिए मिला एक अतिरिक्त अवसर है।

रेयर अर्थ 17 धात्विक तत्वों का समूह है। नाम के विपरीत ये तत्व धरती पर बहुत दुर्लभ नहीं हैं, लेकिन इन्हें अलग करना, परिष्कृत करना और औद्योगिक उपयोग के योग्य बनाना बेहद कठिन, महंगा और पर्यावरण की दृष्टि से चुनौतीपूर्ण काम है। इनसे बनने वाले शक्तिशाली चुंबकों का इस्तेमाल इलेक्ट्रिक वाहनों, पवन ऊर्जा संयंत्रों, मोबाइल फोन, हार्ड ड्राइव, लड़ाकू विमानों और निर्देशित मिसाइलों तक में होता है। इनकी अहमियत का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि कुछ ग्राम का चुंबक भी समय पर उपलब्ध नहीं होने पर बड़े औद्योगिक संयंत्रों का उत्पादन रोक सकता है। इस पूरी आपूर्ति श्रृंखला पर चीन का दबदबा है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, वर्ष 2024 में चुंबक निर्माण में इस्तेमाल होने वाले रेयर अर्थ तत्वों के खनन में चीन की हिस्सेदारी करीब 60 प्रतिशत थी। परिष्कृत सामग्री के उत्पादन में यह हिस्सेदारी लगभग 91 प्रतिशत और तैयार चुंबकों के निर्माण में 94 प्रतिशत तक पहुंच गई। डिस्प्रोसियम और टर्बियम जैसी भारी दुर्लभ धातुओं के परिशोधन में चीन की स्थिति लगभग एकाधिकार जैसी है। ये तत्व चुंबकों को अधिक तापमान में भी प्रभावी बनाए रखते हैं। यही वजह है कि आधुनिक उद्योगों से लेकर रक्षा क्षेत्र तक चीन की आपूर्ति पर निर्भर हैं। चीन का यह वर्चस्व अचानक नहीं बना। उसने पिछले चार दशकों में खनन, परिशोधन और चुंबक निर्माण के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश किया। कम कीमतों पर उत्पाद उपलब्ध कराकर उसने वैश्विक बाजार में अपनी पकड़ मजबूत की। दूसरी ओर, पर्यावरणीय जोखिम, भारी निवेश और तकनीकी जटिलताओं के कारण दूसरे देशों ने इस क्षेत्र में



सबसे महत्वपूर्ण है परिशोधन और चुंबक निर्माण की घरेलू क्षमता विकसित करना, क्योंकि वास्तविक रणनीतिक निर्भरता इसी स्तर पर सबसे अधिक है। इसके साथ अनुसंधान, नई तकनीकों, पुनर्चक्रण और वैकल्पिक सामग्रियों के विकास पर भी ध्यान देना होगा। चीन की ओर से मिली दो महीने की मोहलत को भारत को चेतावनी के रूप में लेना चाहिए। यह समय राहत का उत्सव मनाने का नहीं, बल्कि भविष्य की तैयारी करने का है।

पर्याप्त क्षमता विकसित नहीं की। नतीजा यह हुआ कि रेयर अर्थ के भंडार रखने वाले देश भी उनके परिशोधन के लिए चीन पर निर्भर हो गए। चीन ने अप्रैल 2025 में कुछ चुनिंदा रेयर अर्थ खनिजों के निर्यात पर नियंत्रण लगाते हुए लाइसेंस अनिवार्य कर दिया। अक्टूबर में इन प्रतिबंधों का दायरा और बढ़ाया गया तथा औद्योगिक उपयोग की कुछ अन्य महत्वपूर्ण सामग्रियों और तकनीकों को भी इसके दायरे में शामिल किया गया। इसके बाद अमेरिका और चीन के बीच बातचीत में बनी सहमति के तहत इन पाबंदियों को एक वर्ष के लिए टालने का निर्णय हुआ। नौ नवंबर की ताजा घोषणा ने अंतरिम राहत को दो महीने और बढ़ाकर 10 जनवरी तक कर दिया। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब दोनों देश स्थायी व्यापार समझौते की संभावनाएं तलाश रहे हैं। हालांकि, इस राहत को प्रतिबंधों की समाप्ति समझना बड़ी भूल होगी। चीन ने केवल उनके क्रियान्वयन को टाला है। प्रतिबंध उसके नियमों में अब भी मौजूद हैं और परिस्थितियों के अनुसार उन्हें दोबारा लागू किया जा सकता है। इसीलिए दुनिया के औद्योगिक देशों के लिए यह दो महीने की राहत अस्थायी है, जबकि चीन के हाथ में दबाव बनाने का बड़ा रणनीतिक हथियार बना हुआ है। चीन की इस नीति के पीछे आर्थिक और सामरिक दोनों तरह के उद्देश्य हैं। पहला, अमेरिका और अन्य देशों के साथ व्यापार वार्ताओं में अपनी सौदेबाजी की ताकत बढ़ाना। दूसरा, सेमीकंडक्टर और अत्याधुनिक तकनीक के क्षेत्र में अमेरिका की ओर से लगाए गए प्रतिबंधों का जवाब देना। तीसरा, अपनी दीर्घकालिक औद्योगिक रणनीति को मजबूत करना। इसके अलावा चीन यह संदेश भी देना चाहता है कि वैश्विक औद्योगिक व्यवस्था में उसकी भूमिका को नजरअंदाज करना आसान नहीं है। वर्ष 2010 में जापान के साथ क्षेत्रीय विवाद के दौरान रेयर अर्थ की आपूर्ति रोककर वह इसका संकेत दे चुका है। भारत के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने 53,748 टन रेयर अर्थ मैग्नेट का आयात किया, जिसमें 90 प्रतिशत से अधिक आपूर्ति चीन से हुई। इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग, पवन ऊर्जा परियोजनाओं और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के विस्तार की हमारी योजनाएं इसी आयात पर निर्भर हैं। विडंबना यह है कि भारत के पास लगभग 69 लाख टन रेयर अर्थ का भंडार है, जो दुनिया के सबसे बड़े भंडारों में तीसरे स्थान पर है। इसके बावजूद वर्ष 2024 में भारत का उत्पादन महज 2,900 टन रहा, जो वैश्विक उत्पादन का एक प्रतिशत भी नहीं है। स्पष्ट है कि समस्या संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि उन्हें उपयोगी औद्योगिक सामग्री में बदलने की सीमित क्षमता है। सरकार ने इस चुनौती को समझते हुए राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन शुरू किया है। इसके माध्यम से खनिजों की खोज, खनन, प्रसंस्करण और घरेलू क्षमता विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। लेकिन केवल योजनाओं और बजटीय प्रावधानों से आत्मनिर्भरता हासिल नहीं होगी। इसके लिए तकनीक, निवेश, पर्यावरण प्रबंधन और निजी क्षेत्र की भागीदारी को साथ लेकर चलना होगा। साथ ही यह भी समझना होगा कि आत्मनिर्भरता का अर्थ हर वस्तु का उत्पादन देश में ही करना नहीं है। वैश्विक बाजार में उपलब्ध संसाधनों और तकनीक का उपयोग करते हुए भरोसेमंद आपूर्ति श्रृंखला तैयार करना भी उतना ही जरूरी है। भारत को एक संतुलित रणनीति अपनानी होगी। जिन देशों के पास रेयर अर्थ के भंडार और खनन की क्षमता है, उनके साथ दीर्घकालिक आपूर्ति समझौते किए जाने चाहिए। जहां घरेलू स्तर पर खनन और उत्पादन की संभावनाएं हैं, वहां निवेश को प्रोत्साहन और आवश्यक सब्सिडी दी जा सकती है। सबसे महत्वपूर्ण है परिशोधन और चुंबक निर्माण की घरेलू क्षमता विकसित करना, क्योंकि वास्तविक रणनीतिक निर्भरता इसी स्तर पर सबसे अधिक है। इसके साथ अनुसंधान, नई तकनीकों, पुनर्चक्रण और वैकल्पिक सामग्रियों के विकास पर भी ध्यान देना होगा। चीन की ओर से मिली दो महीने की मोहलत को भारत को चेतावनी के रूप में लेना चाहिए। यह समय राहत का उत्सव मनाने का नहीं, बल्कि भविष्य की तैयारी करने का है। आज चीन ने प्रतिबंधों को टाल दिया है, लेकिन कल परिस्थितियां बदलते ही वह इन्हें फिर लागू कर सकता है। ऐसे में भारत की औद्योगिक और सामरिक सुरक्षा किसी दूसरे देश की नीतिगत उदारता पर निर्भर नहीं रहनी चाहिए। रेयर अर्थ के विशाल भंडार तभी वास्तविक ताकत बनेंगे, जब भारत उन्हें निकालने, परिष्कृत करने और उच्च तकनीक वाले उत्पादों में बदलने की क्षमता विकसित करेगा। यही समय की सबसे बड़ी जरूरत और आत्मनिर्भर भारत की असली कसौटी है।



नए गठबंधन, बदलेगा चुनावी गणित

चुनाव की आहट के साथ ही राजनीतिक दल अपनी रणनीतियां बदलने और नए सहयोगी तलाशने में जुट गए हैं। उत्तर प्रदेश में असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम और चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी ने गठबंधन कर नया मोर्चा बनाया है, वहीं पंजाब में शिरोमणि अकाली दल और भाजपा के बीच फिर से नजदीकियां बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। दोनों राज्यों में बन रहे ये नए समीकरण आगामी चुनावों के राजनीतिक मुकाबले को प्रभावित कर सकते हैं। इनके केंद्र में जहां उत्तर प्रदेश में दलित-मुस्लिम मतों का गणित है, वहीं पंजाब में पुराने राजनीतिक गठबंधन की वापसी की संभावनाएं हैं। उत्तर प्रदेश में ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद ने अपने गठबंधन को सामाजिक परिवर्तन मोर्चा नाम दिया है। मोर्चे ने सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की है और चंद्रशेखर को मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनाया है। भले ही इस गठबंधन के लिए सत्ता तक पहुंचना आसान नहीं हो, लेकिन इसकी मौजूदगी समाजवादी पार्टी के चुनावी समीकरणों को प्रभावित कर सकती है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव का पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग का सामाजिक समीकरण उनकी राजनीति का प्रमुख आधार है। ऐसे में दलित और मुस्लिम मतदाताओं को लक्ष्य बनाकर मैदान में उतरा नया मोर्चा सपा के सामने चुनौती खड़ी कर सकता है। इस गठबंधन का असर केवल सपा तक सीमित रहने की संभावना नहीं है। कांग्रेस भी उत्तर प्रदेश में सपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ने की तैयारी में है। यदि सामाजिक परिवर्तन मोर्चा दलित और मुस्लिम मतदाताओं के बीच अपनी पकड़ बनाने में सफल रहता है तो सपा-कांग्रेस गठबंधन के वोट बैंक में सेंध लग सकती है। हालांकि नए मोर्चे की वास्तविक चुनावी ताकत का आकलन उसके उम्मीदवारों और क्षेत्रीय प्रभाव के आधार पर ही हो सकेगा। वह कितनी सीटें जीतता है, इससे अधिक महत्वपूर्ण यह होगा कि वह किन सीटों पर दूसरे दलों का चुनावी गणित बिगाड़ता है। ऐसी स्थिति में भाजपा को अप्रत्यक्ष लाभ मिल सकता है। पंजाब में संभावित राजनीतिक बदलाव का केंद्र भाजपा और शिरोमणि अकाली दल के बीच फिर से गठबंधन है। दोनों दल लंबे समय तक एक-दूसरे के सहयोगी रहे हैं और अतीत में उनका गठबंधन सत्ता तक पहुंचने में सफल रहा। कृषि कानूनों के विरोध में अकाली दल ने भाजपा से नाता तोड़ लिया था, लेकिन इसके बाद हुए चुनावों में उसका राजनीतिक आधार कमजोर हुआ। पिछले विधानसभा चुनाव में उसे महज तीन सीटें मिलीं, जबकि लोकसभा चुनाव में उसका केवल एक उम्मीदवार जीत सका। लगातार कमजोर होते जनाधार ने अकाली दल को अपनी राजनीतिक रणनीति पर नए सिरे से विचार करने के लिए मजबूर किया है। भाजपा के साथ दोबारा गठबंधन अकाली दल के लिए राजनीतिक वापसी का रास्ता खोल सकता है।

बच्चों को दीजिए अच्छे-बुरे की सीख, उनमें 'न' सुनने की आदत भी विकसित कीजिए

बच्चों की कोमल भावनाओं का सम्मान करना और उनकी इच्छाओं को समझना हर माता-पिता की जिम्मेदारी है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि उनकी हर मांग पूरी की जाए। बच्चों को हमेशा हां सुनने की आदत डालना उनके व्यक्तित्व के विकास में बाधा बन सकता है। जीवन में हर इच्छा पूरी नहीं होती और हर परिस्थिति मनमाफिक नहीं होती। ऐसे में यदि बचपन से ही बच्चों को अपनी बात मनवाने की आदत पड़ जाए तो बड़े होने पर उन्हें अस्वीकार और असहमति का सामना करना मुश्किल लग सकता है। बच्चे का जीवन केवल घर की चारदीवारी तक सीमित नहीं रहता। उसे स्कूल, खेल के मैदान और सामाजिक परिवेश में भी दूसरों के साथ तालमेल बैठाना होता है। आगे चलकर नौकरी, व्यवसाय और पारिवारिक जीवन में भी कई बार उसकी इच्छाओं के विपरीत परिस्थितियां सामने आती हैं। ऐसे में बचपन से ही सीमाओं का महत्व समझना जरूरी है। हर मांग पूरी करने के बजाय कभी-कभी प्यार से मना करना भी अच्छी परवरिश का हिस्सा है। पुराने पारिवारिक अनुभवों में भी यही सीख दी जाती रही है कि बच्चों की हर जिद पूरी करना उन्हें बिगाड़ सकता है। उन्हें मेहनत, धैर्य और पैसे की कीमत समझाना जरूरी है। आज के उपभोक्तावादी और प्रतिस्पर्धी दौर में यह सीख और प्रासंगिक हो गई है। मनोविज्ञान और तंत्रिका विज्ञान से जुड़े अध्ययन भी इस बात की ओर संकेत करते हैं कि बच्चों के सामने उचित सीमाएं तय करना उनके भावनात्मक और मानसिक विकास के लिए उपयोगी है। मना किए जाने पर वे निराशा से निपटना और दूसरों की इच्छाओं का सम्मान करना सीखते हैं। माता-पिता को बच्चों के सामने स्पष्ट करना चाहिए कि उनकी कौन सी मांग पूरी हो सकती है और कौन सी नहीं। परिवार की आर्थिक स्थिति, समय और परिस्थितियों के अनुसार इच्छाओं को सीमित रखना भी जरूरी है।



इससे बच्चों में धैर्य, अनुशासन और परिस्थितियों को समझने की क्षमता विकसित होती है। उन्हें यह भी अहसास होता है कि दुनिया में केवल उनकी इच्छाएं ही महत्वपूर्ण नहीं हैं, बल्कि दूसरों की जरूरतों और सुविधाओं का भी सम्मान करना चाहिए। मिसाल के तौर पर कोई बच्चा पार्क में खेल रहा है और अंधेरा होने के बाद भी घर लौटना नहीं चाहता। ऐसे में उसे डांटने या जबरन खींचकर ले जाने के बजाय उसकी भावना समझते हुए स्पष्ट किया जा सकता है कि खेलना अच्छा लग रहा है, लेकिन अब घर जाने का समय हो गया है। इसी तरह बाजार में किसी सामान के लिए जिद करने पर हर बार उसकी मांग मान लेना उचित नहीं है। बच्चे को समझाना होगा कि हर पसंद की वस्तु खरीदना जरूरी नहीं होता। इससे वह जरूरत और इच्छा के बीच अंतर करना सीखता है। मोबाइल फोन को लेकर भी माता-पिता को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। कम उम्र में बच्चों को मोबाइल देना उनकी आदतों और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। इसके बावजूद कई माता-पिता बच्चों की जिद के आगे झुक जाते हैं। जबकि कुछ मांगों पर स्पष्ट रूप से मना करना ही उनके हित में होता है। इसी तरह मनपसंद वस्तु नहीं मिलने पर रोना, खाना छोड़ना या सामान फेंकना जैसी प्रतिक्रियाओं के आगे बार-बार झुकना बच्चों को अपनी बात मनवाने का गलत तरीका सिखा सकता है। बच्चों की भावनाओं को नजरअंदाज करना भी सही नहीं है। उन्हें मना करते समय उनकी बात सुनना, उनकी निराशा को समझना और उचित कारण बताना जरूरी है। सख्ती और संवेदनशीलता के बीच संतुलन बनाकर ही उन्हें अनुशासन सिखाया जा सकता है। हर शिकायत को सही मानने के बजाय परिस्थितियों की वास्तविकता समझाना भी माता-पिता की जिम्मेदारी है। दरअसल, बचपन ही वह समय है जब व्यक्ति सही-गलत, उचित-अनुचित और अपनी सीमाओं का अर्थ समझता है। माता-पिता का दायित्व केवल बच्चों की इच्छाएं पूरी करना नहीं, बल्कि उन्हें जीवन की वास्तविकताओं के लिए तैयार करना भी है। प्यार का अर्थ हर मांग के आगे झुकना नहीं, बल्कि जरूरत पड़ने पर सही निर्णय लेना है। बच्चों को समय रहते 'न' सुनने और उसे स्वीकार करने की आदत डालना उनके आत्मविश्वास, धैर्य और बेहतर व्यक्तित्व निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

पीएनबी की डिजिटल कारोबार के विस्तार के जरिये गैर-ब्याज आय बढ़ाने की तैयारी

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र का अग्रणी बैंक, पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी), अपनी गैर-ब्याज आय में उल्लेखनीय वृद्धि करने के लिए डिजिटल कारोबार के विस्तार पर जोर दे रहा है। बैंक को उम्मीद है कि अगले वित्त वर्ष से क्रेडिट कार्ड और नकदी प्रबंधन सेवाओं से प्रत्येक तिमाही में लगभग 200-200 करोड़ रुपये का मुनाफा होगा, जिससे कुल 400 करोड़ रुपए का अतिरिक्त लाभ अर्जित किया जा सकेगा। पीएनबी के एक अ धिकारी ने बताया कि बैंक ने क्रेडिट कार्ड, आपूर्ति श्रृंखला वित्तपोषण और नकदी प्रबंधन सेवा के लिए अलग-अलग डिजिटल मंच तैयार किए हैं। उनका लक्ष्य है कि शुल्क आधारित आय में वृद्धि कर ट्रेजरी से होने वाली कमाई और ऋण वसूली से जुड़ी संभावित चुनौतियों का सामना किया जा सके। बैंक ने डिजिटल प्लेटफॉर्म शुरू होने के बाद अपने क्रेडिट कार्ड ग्राहकों की संख्या 6.04 लाख से बढ़ाकर लगभग 11 लाख कर दी है, जिसका लक्ष्य मार्च 2027 तक 13 लाख से अधिक करना है। वहीं, आपूर्ति श्रृंखला वित्तपोषण में नौ महीने में 5,200 करोड़ रुपये का बकाया पोर्टफोलियो बन चुका है। नकदी प्रबंधन सेवा से मौजूदा 130-140 करोड़ रुपये के तिमाही मुनाफे को भी 200 करोड़ रुपये तक बढ़ाने का लक्ष्य है। इन आय स्रोतों को बढ़ाने के साथ-साथ पीएनबी परिचालन लागत कम करने पर भी ध्यान दे रहा है। बैंक का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष में लागत-आय अनुपात को 50 प्रतिशत से नीचे और 2028-29 तक 45 प्रतिशत तक लाना है, जो वर्तमान में 50.38 प्रतिशत है। चंद्रा के अनुसार, ये पहल बैंक की समग्र लाभप्रदता में और सुधार करेंगी।

भारत-मिस्र ऊर्जा सहयोग पर जोर, गोयल ने अल्स्वेदी इलेक्ट्रिक से की मुलाकात

काहिरा ।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अपनी मिस्र यात्रा के दौरान 14 नवंबर को काहिरा में मिस्र की बहुराष्ट्रीय कंपनी अल्स्वेदी इलेक्ट्रिक के अध्यक्ष अहमद अल्स्वेदी से मुलाकात की। इस बैठक का उद्देश्य भारत-मिस्र के बीच व्यापारिक एवं निवेश सहयोग को नई दिशा देना और भारत में अल्स्वेदी इलेक्ट्रिक के लिए निवेश की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा करना था। गोयल ने सोशल मीडिया पर साझा किया कि बैठक के दौरान विद्युत उपकरण, स्मार्ट मीटर और डेटा केंद्र जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में साझेदारी मजबूत करने की रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने अल्स्वेदी को भारत के विशाल बाजार, तीव्र विकास और निवेश, नवोन्मेषण व कारोबार विस्तार के व्यापक अवसरों से अवगत कराया। बिजली केबल, समाधान और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत अल्स्वेदी इलेक्ट्रिक के लिए भारत एक आकर्षक गंतव्य हो सकता है। गोयल 132 सदस्यीय भारतीय कारोबारी प्रतिनिधिमंडल के साथ मिस्र के दो दिवसीय दौरे पर हैं।

जोमैटो-ब्लिंकइट की कंपनी ईवी लक्ष्य की समयसीमा पर पुनर्विचार करेगी



नई दिल्ली ।

जोमैटो और ब्लिंकइट की मूल कंपनी इटर्नल ने वर्ष 2030 तक अपने डिलिवरी बेड़े को 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) में बदलने के लक्ष्य पर पुनर्विचार शुरू कर दिया है। कंपनी ने व्यापार विस्तार, ईवी उपलब्धता और सरकारी नीतियों को इस बदलाव का मुख्य कारण बताया है। कंपनी की एक व रिष्ठ अ धिकारी ने स्वीकार किया कि मौजूदा परिस्थितियों में लक्ष्य हासिल करना चुनौतीपूर्ण है। जब लक्ष्य तय हुआ, तब 1.5 लाख सक्रिय पार्टनर थे, जो अब बढ़कर 12 लाख (जोमैटो व ब्लिंकइट) हो गए हैं। इस विस्तार ने ईवी बदलाव को जटिल बना दिया है। अब यह लक्ष्य केवल दोपहिया नहीं, बल्कि हाइपरप्योर के ट्रकों सहित पूरे इटर्नल समूह के बेड़े पर लागू होगा। इटर्नल हरित परिवहन के प्रति प्रतिबद्ध है और इसे आर्थिक रूप से भी लाभदायक मानती है। कंपनी के बेड़े में पहले से ही 12-13 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहन हैं, जो बाजार औसत से दोगुना है। कंपनी भागीदारों को प्रोत्साहन, किराये के विकल्प देकर इसे बढ़ावा दे रही है। हालांकि, अंजलि कुमार ने कहा कि 900 शहरों में लाखों भागीदारों के लिए भरोसेमंद व किफायती ईवी उपलब्ध कराना बड़ी चुनौती है। उन्होंने यह भी बताया कि ईवी नीतियां बनाते समय भागीदारों की आर्थिक स्थिति व आजीविका का ध्यान रखना अहम है। नए लक्ष्य की समयसीमा 2035 तक बढ़ाई जा सकती है, जिसका निर्णय ईवी नीति के क्रियान्वयन पर निर्भर होगा।

रेजरपे आईपीओ को मिली सेबी की मंजूरी, 6,500 करोड़ तक जुटाएगी कंपनी

2027 की पहली तिमाही में लिस्टिंग संभव, वित्त वर्ष 25 में राजस्व बढ़ा, लेकिन घाटा भी हुआ

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख फिनटेक कंपनी रेजरपे को आखिरकार शेयर बाजार में लिस्ट होने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से हरी झंडी मिल गई है। कंपनी का लक्ष्य इस आईपीओ के जरिए 5,500 से 6,500 करोड़ रुपए तक जुटाना है और इसकी लिस्टिंग 2027 की पहली तिमाही में होने की उम्मीद है। यह कदम फिनटेक सेक्टर में रेजरपे की बढ़ती साख और निवेशकों के लिए एक बड़ा अवसर प्रस्तुत करता है, हालांकि कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन में मजबूत राजस्व वृद्धि के साथ-साथ घाटा भी दर्ज किया गया है। सेबी की मंजूरी और वैल्यूएशन की स्थिति रेजरपे को हाल ही में सेबी से ड्राफ्ट आईपीओ दस्तावेजों पर अंतिम टिप्पणियां मिली थीं, जिसके बाद कंपनी अब अपनी लिस्टिंग की दिशा में आगे बढ़ सकती है। कंपनी ने जून में गोपनीय तरीके से ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस जमा किया था। बाजार में रेजरपे का संभावित वैल्यूएशन करीब 5 अरब डॉलर (लगभग 49,000-50,000 करोड़ रुपए) आंका जा रहा है, जो 2021 में मिले 7.5 अरब डॉलर के वैल्यूएशन से कम है। आईपीओ में 2,700 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी किए जाएंगे, जबकि मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल के जरिए अपनी हिस्सेदारी का कुछ हिस्सा बेच सकेंगे। एक्सिस कैपिटल, जेपी मॉर्गन, सिटी और कोटक महिंद्रा कैपिटल इस आईपीओ के प्रमुख सलाहकार हैं। बाजार का रुख और रेजरपे की रणनीति रेजरपे ऐसे समय में आईपीओ ला रही है, जब नई टेक कंपनियों की कमाई, ग्रोथ और वैल्यूएशन पर निवेशक कड़ी नजर रख रहे हैं। वॉलमार्ट समर्थित फोनपे जैसी कंपनियों ने भी बाजार की अनिश्चितता के कारण अपनी आईपीओ योजना टाल दी थी। 2014 में स्थापित, रेजरपे कारोबारियों को ऑनलाइन, ऑफलाइन और क्रॉस-बॉर्डर पेमेंट सहित विभिन्न वित्तीय सेवाएं प्रदान करती है। कंपनी ने अपने ऑफलाइन पेमेंट कारोबार की रणनीति में बदलाव किया है,



जिससे लागत घटाने और मुनाफा बढ़ाने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा, कंपनी ने मई 2025 में अमेरिका से भारत मुख्यालय स्थानांतरित कर रिवर्स फ्लिप प्रक्रिया पूरी की है, जिससे भारतीय बाजार में लिस्टिंग का रास्ता साफ हो गया।

मुंबई में सीएनजी फिर महंगी, 91.50 रुपए प्रति किलो पहुंचा दाम

साल में आठवीं बढ़ोतरी, जनवरी से अब तक 11 रुपये महंगा हुआ ईंधन

नई दिल्ली ।

मुंबई और आसपास के इलाकों में कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की कीमतें एक बार फिर बढ़ गई हैं, जिसने वाहन चालकों की चिंता बढ़ा दी है। महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने रविवार, 15 नवंबर को सीएनजी के दाम में 1.50 रुपये प्रति किलोग्राम का इजाफा किया, जिसके बाद अब इसका खुदरा मूल्य 91.50 रुपये प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। ये नई दरें 14 नवंबर की आधी रात से लागू हो गई हैं। यह इस साल की आठवीं वृद्धि है। जनवरी में 80.50 रुपये प्रति किलोग्राम रही सीएनजी की कीमत में अब तक कुल 11 रुपये प्रति किलोग्राम का इजाफा हुआ है, जो लगभग 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाता है। इस वृद्धि से मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (एमएमआर) में लगभग 12.93 लाख सीएनजी वाहनों, जिनमें ऑटो-रिक्शा, टैक्सी और निजी गाड़ियां शामिल हैं, के मालिकों का ईंधन खर्च बढ़ जाएगा। महानगर गैस लिमिटेड ने कीमतों में बढ़ोतरी की वजह गैस खरीदने की बढ़ती लागत, घरेलू प्राकृतिक गैस के कम आवंटन और आयातित रीगैसिफाइड लिक्विफाइड नेचुरल गैस पर बढ़ती निर्भरता को बताया है। कंपनी के अनुसार, मध्य पूर्व में जारी संकट और वैश्विक ऊर्जा बाजारों में उतार-चढ़ाव ने उनकी इनपुट लागत को काफी बढ़ा दिया है। एमजीएल ने कहा कि यह बढ़ोतरी लागत के बढ़ते बोझ को कुछ हद तक कम करने और सीएनजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए की गई है। कंपनी लागत नियंत्रण के प्रयास जारी रखने का दावा कर रही है।

टाटा स्टील 27 तक एनआईएनएल विलय पूरा करेगा

40 हजार करोड़ रुपए के विस्तार का मार्ग प्रशस्त

नई दिल्ली ।

टाटा स्टील वित्त वर्ष 2026-27 तक नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड (एनआईएनएल) का अपने साथ विलय करने की प्रक्रिया पूरी करने की तैयारी में है। कंपनी के एक कार्यकारी निदेशक ने बताया कि इस रणनीतिक कदम से ओडिशा में 40,000 करोड़ रुपये के निवेश से इस्पात उत्पादन क्षमता के बड़े विस्तार का मार्ग प्रशस्त होगा।

कार्यकारी निदेशक चटर्जी ने पुष्टि की कि विलय प्रक्रिया तय कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ रही है। हालांकि, इसे राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की अंतिम मंजूरी का इंतजार है, जिसकी सुनवाई इसी महीने के अंत में प्रस्तावित है। विलय की मंजूरी मिलते ही टाटा स्टील एनआईएनएल की मौजूदा 10 लाख टन सालाना क्षमता में करीब 50 लाख टन की अतिरिक्त क्षमता जोड़ेगी। यह 40,000 करोड़ रुपए का विस्तार मुख्य रूप से लंबे इस्पात उत्पादों, जैसे सरिया, के उत्पादन पर केंद्रित होगा। टाटा स्टील ने जुलाई 2022 में 12,100 करोड़ रुपए में एनआईएनएल का अधिग्रहण किया था। एनआईएनएल केंद्र सरकार की निजीकरण प्रक्रिया के तहत निजी हाथों में जाने वाली पहली सरकारी इस्पात कंपनी थी। यह विलय टाटा स्टील की ओडिशा में अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने और इस्पात कारोबार को मजबूत करने की रणनीति का अहम हिस्सा है।

माइक्रोसॉफ्ट की ग्लोबल सेवाएं बहाल, 24 घंटे बाद मिली राहत

आउटलुक, टीम्स, माइक्रोसॉफ्ट 365 जैसी प्रमुख सेवाएं प्रभावित

नई दिल्ली ।

माइक्रोसॉफ्ट ने शनिवार को घोषणा की कि उसकी सभी कंज्यूमर और एंटरप्राइज सेवाएं, जो 24 घंटे से अधिक समय से एक वैश्विक तकनीकी रुकावट के कारण बाधित थीं, अब पूरी तरह से बहाल कर दी गई हैं। इस आउटेज ने दुनिया भर के लाखों उपयोगकर्ताओं को प्रभावित किया, जिन्हें आउटलुक, टीम्स और माइक्रोसॉफ्ट 365 कोपायलट जैसी आवश्यक सेवाओं तक पहुँचने में गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ा। तकनीकी दिग्गज माइक्रोसॉफ्ट ने अपनी सभी उपभोक्ता और उद्यम सेवाओं की पूर्ण बहाली की पुष्टि की है, जिससे 24 घंटे से अधिक समय तक चली एक वैश्विक तकनीकी बाधा समाप्त हो गई है। कंपनी के सर्विस स्टेटस पेज पर सभी सेवाएं बहाल का संदेश पोस्ट किया गया, जो दुनिया भर में लाखों उपयोगकर्ताओं के लिए राहत की बात है। यह समस्या गुरुवार को शुरू हुई और शुक्रवार तक कई देशों में व्यवसायों, सरकारी एजेंसियों और व्यक्तिगत उपयोगकर्ताओं को प्रभावित करती रही। आउटलुक, टीम्स, माइक्रोसॉफ्ट 365 कोपायलट, शेयरपॉइंट ऑनलाइन और अन्य



क्लाउड-आधारित सेवाओं तक पहुंचने में कठिनाइयों के कारण ईमेल सेवाएं बाधित हुईं, वर्चुअल मीटिंग्स पर असर पड़ा और महत्वपूर्ण कार्यों में बाधा आई। माइक्रोसॉफ्ट ने इस वैश्विक आउटेज के लिए अपने ग्राहकों और साझेदारों से गहरा खेद व्यक्त किया है। कंपनी ने स्पष्ट किया कि यह एक तकनीकी समस्या थी, जिसका साइबर हमले या एआई एजेंट्स से कोई लेना-देना नहीं था।

यह खराबी नेटवर्क क्षमता को बढ़ाने (नेटवर्क कैपेसिटी अपग्रेड) के दौरान आई, जो हाल ही में किए गए एक नेटवर्क बदलाव के बाद सामने आई।

साइकिल के पुर्ज़े से एआई-सैटेलाइट तक सुनील मित्तल का 50 साल का बेमिसाल सफ़र

मोबाइल एआरपीयू 350 रुपए करने पर जोर; एआई, क्लाउड और सैटेलाइट पर एयरटेल का भविष्य केंद्रित

नई दिल्ली ।

लुधियाना में साइकिल के पुर्जे बनाने की छोटी इकाई से शुरू होकर सुनील भारती मित्तल का सफर आज भारती एयरटेल को दुनिया की सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनियों में शामिल कर चुका है। समूह अपनी 50वीं वर्षगांठ मना रहा है, और इस मौके पर मित्तल ने कंपनी के तकनीकी भविष्य की महत्वाकांक्षी रूपरेखा पेश की है। उनका लक्ष्य एयरटेल को महज दूरसंचार सेवा प्रदाता से आगे बढ़ाकर एक व्यापक प्रौद्योगिकी कंपनी बनाना है, जिसके केंद्र में संपर्क हो और विस्तार कृत्रिम मेधा (एआई), डिजिटल वित्तीय सेवाओं, सॉवरेन क्लाउड और सैटेलाइट संचार तक हो। इस भविष्य की तस्वीर के साथ ही मित्तल ने एक स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत में मोबाइल सेवाओं की कीमतें बढ़नी चाहिए। उनके अनुसार, प्रति ग्राहक औसत राजस्व (एआरपीयू) बढ़कर 350 रुपए प्रतिमाह होना चाहिए, जो वर्तमान 271 रुपए से लगभग 29 फीसदी अधिक है। मित्तल ने बढ़ती परिचालन लागत और मोबाइल सेवाओं द्वारा प्रदत्त व्यापक सुविधाओं (बैंकिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य) का हवाला देते हुए इसे उचित ठहराया, जो प्रतिदिन 10-12 रुपये के खर्च पर उपलब्ध हैं। इस तकनीकी परिवर्तन को साकार करने के लिए भारत को अपने डिजिटल बुनियादी ढांचे में भारी निवेश की जरूरत है, जिसमें मोबाइल टावरों की संख्या दोगुनी करना और फाइबर नेटवर्क का विस्तार शामिल है। मित्तल ने

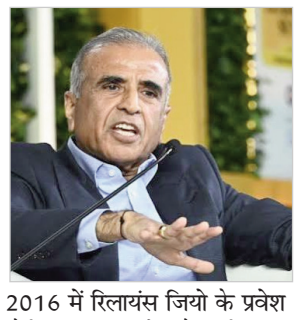

2016 में रिलायंस जियो के प्रवेश जैसे महाभारत के दौर को याद करते हुए तीन निजी और एक सरकारी दूरसंचार कंपनी के आदर्श मॉडल का समर्थन किया।

केडब्ल्यू ग्रुप ने गाजियाबाद में खरीदी 1.5 एकड़ जमीन

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट सेक्टर की प्रमुख कंपनी केडब्ल्यू ग्रुप ने उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद स्थित इंदिरापुरम में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कंपनी ने नीलामी के जरिए 134 करोड़ रुपए में 1.5 एकड़ (लगभग 5,965 वर्ग मीटर) फ्रीहोल्ड जमीन का अधिग्रहण किया है। इस भूखंड पर समूह एक अल्ट्रा-लग्जरी आवासीय परियोजना विकसित करने की योजना बना रहा है। केडब्ल्यू ग्रुप द्वारा गाजियाबाद के स्थानीय विकास प्राधिकरण से खरीदी गई यह जमीन इंदिरापुरम में एक रणनीतिक स्थान पर है।

इस परियोजना में करीब पांच लाख वर्ग फुट क्षेत्र के विकास की संभावना है, जिसका अनुमानित सकल विकास मूल्य (जीडीवी) 877 करोड़ रुपए आंका गया है। इसे ब्लैकस्टोन समर्थित एएसके प्रॉपर्टी फंड से 150 करोड़ रुपए का निवेश समर्थन भी प्राप्त है। केडब्ल्यू ग्रुप के एक अ धिकारी ने बताया कि इंदिरापुरम में अल्ट्रा-लग्जरी आवास की कमी थी, जिसके लिए खरीदारों को दिल्ली या नोएडा देखना पड़ता था। उनकी परियोजना इस अंतर को भरेगी और बड़े आकार के प्रीमियम आवास उपलब्ध कराएगी। वैधानिक स्वीकृतियां मिलते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

सेबी पूंजी बाजार में एआई इस्तेमाल के दिशानिर्देश जारी करेगा

निवेशक हित, पारदर्शिता व वित्तीय स्थिरता पर जोर

नई दिल्ली ।

पूंजी बाजार में कृत्रिम मेधा (एआई) के बढ़ते उपयोग को देखते हुए, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) जल्द ही विस्तृत दिशानिर्देश जारी करेगा। सेबी के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि इनका उद्देश्य प्रौद्योगिकी नवोन्मेषण को बढ़ावा देने के साथ निवेशकों के हितों, बाजार की पारदर्शिता और वित्तीय स्थिरता की रक्षा करना है। उन्होंने बताया कि इन दिशानिर्देशों में एआई के उपयोग की जानकारी देना, निर्णयों की जवाबदेही तय करना और महत्वपूर्ण फैसलों में मानवीय निगरानी बनाए रखना सुनिश्चित किया जाएगा। सेबी ने इस विषय पर पहले भी एक परामर्श पत्र जारी किया था। सेबी प्रमुख ने वित्तीय संस्थानों व सोशल मीडिया धोखाधड़ी से बढ़ते साइबर खतरों पर भी बात की। नियामक अपनी साइबर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत कर रहा है, जिसके तहत मई में एक व्यवस्थित घटना-प्रतिक्रिया व्यवस्था शुरू की गई है। क्वांटम कंप्यूटिंग से संभावित खतरों के लिए सेबी मौजूदा कूटलेखन प्रणालियों की पहचान कर रहा है, क्योंकि 2032-2035 के बीच ये जोखिम गंभीर हो सकते हैं, जिसके लिए अभी से तैयारी जरूरी है। सेबी ने बाजार

निगरानी के लिए सुदर्शन जैसे तकनीकी उपकरण भी विकसित किए हैं। नियामक स्टार्टअप के लिए इनोवेटर्स ग्रोथ प्लेटफॉर्म (आईजीपी) को आकर्षक बनाने हेतु एक कार्यदल का गठन कर चुका है।

10 दिनों में 8400 तक सस्ता हुआ सोना,चांदी 15000 लुढ़की

देवउठनी एकादशी से पहले बाजार में खुदरा मांग कमजोर

नई दिल्ली।

सोने और चांदी की कीमतों में र विवार को कोई बदलाव नहीं हुआ है। हालांकि, पिछले 10 दिनों में इन कीमती धातुओं के भाव में भारी गिरावट दर्ज की गई है। इस दौरान 24 कैरेट सोना 8,400 रुपये तक और चांदी 15,000 रुपये प्रति किलो सस्ती हो चुकी है। यह गिरावट देवउठनी एकादशी से पहले कमजोर मांग और अंतरराष्ट्रीय बाजार में नरमी के कारण आई है, जिससे त्योहारों से ठीक पहले ग्राहकों को खरीदारी का अच्छा मौका मिल रहा है। पिछले 10 दिनों में सोने के भाव में बड़ी गिरावट पिछले 10 दिनों के आंकड़ों पर गौर करें तो, 5 नवंबर 2026 को 24 कैरेट सोना 1,46,170 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था, जो अब घटकर 1,37,770 रुपये पर आ गया है, यानी 8,400 रुपये की बड़ी गिरावट।

इसी अवधि में 22 कैरेट सोना 7,700 रुपये सस्ता होकर 1,26,300 रुपये और 18 कैरेट सोना 6,300 रुपये सस्ता होकर 1,03,370 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है।

खास बात यह है कि 10 से 13 नवंबर के बीच लगातार चार दिनों तक सोने की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई, जिससे खरीदारों को बड़ी राहत मिली है। चांदी भी 15,000 रुपए सस्ती, मांग में सुस्ती प्रमुख कारण सोने के साथ-साथ चांदी की कीमतों में भी बड़ी गिरावट आई है।

सैंडपेपर विवाद

तेंदुलकर ने 49 साल से संभालकर रखा है पहला बैट

बल्ला लेकर शेयर की खास तस्वीर

मुंबई (एजेंसी)। क्रिकेट के मैदान पर अपने बल्ले से इतिहास रचने वाले सचिन तेंदुलकर ने बचपन की एक याद को आज भी संभालकर रखा है। मास्टर ब्लास्टर ने सोशल मीडिया पर अपनी बचपन की तस्वीर शेयर की है। इसमें वे छोटे बच्चे के रूप में हाथ में बल्ला पकड़े नजर आ रहे हैं। सचिन ने बताया कि उनका पहला बैट 49 साल बाद भी उनके पास है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, दिल



का मामला है... 49 साल बाद भी ये मेरे साथ है। इस तस्वीर के साथ सचिन ने अपने क्रिकेट के शुरुआती दिनों की यादें ताजा कीं।

16 साल की उम्र में किया था इंटरनेशनल डेब्यू- सचिन तेंदुलकर ने 15 नवंबर 1989 को पाकिस्तान के खिलाफ कराची में 16 साल की उम्र में टेस्ट डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। सचिन ने करीब 24 साल तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला। उनका आखिरी टेस्ट मैच 14 से 16 नवंबर 2013 के बीच वेस्टइंडीज के खिलाफ मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया। यह उनके करियर का 200वां टेस्ट था। 16 नवंबर को उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा।

100 शतक और 34 हजार से ज्यादा रन बनाए- सचिन तेंदुलकर के नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक लगाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने 200 टेस्ट में 15,921 रन बनाए। इसमें 51 शतक और 68 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं, 463 वनडे में उनके नाम 18,426 रन हैं। वनडे में उन्होंने 49 शतक और 96 अर्धशतक लगाए। इस तरह सचिन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कुल 34,357 रन बनाए। वे टेस्ट और वनडे दोनों फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। सचिन ने 2010 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ ग्वालियर में वनडे क्रिकेट का पहला दोहरा शतक भी लगाया था।

2011 में पूरा किया वर्ल्ड कप जीतने का सपना

सचिन के करियर की सबसे यादगार उपलब्धियों में 2011 का वनडे वर्ल्ड कप शामिल है। भारत ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में श्रीलंका को हराकर दूसरी बार वर्ल्ड कप जीता था।

भारत 7 साल बाद न्यूजीलैंड में वनडे सीरीज जीता

पांचवां मैच 22 रन से हराया भारत 7 साल बाद न्यूजीलैंड में वनडे सीरीज जीता

माउंट माउंगानुई (एजेंसी)। भारत ने 7 साल बाद न्यूजीलैंड में वनडे सीरीज अपने नाम की है। पांच मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला टीम ने 22 रन से जीत लिया। टीम इंडिया ने कीवी धरती पर आखिरी बार 2019 में 4-1 से सीरीज जीती थी।

माउंट माउंगानुई में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत 42.1 ओवर में 209 रन पर ऑलआउट हो गया। अक्षर पटेल और ईशान किशन ने 46-46 रन बनाए।जवाब में न्यूजीलैंड की पारी 48.1 ओवर में 187 रन बनाकर सिमट गई। भारत से तेज गेंदबाजों ने मिलकर 7 विकेट लिए। अर्शदीप सिंह ने 3 बल्लेबाजों को आउट किया। मोहम्मद सिराज और आकिब नबी को 2-2 विकेट मिले। यश ठाकुर ने एक विकेट लिया। ओवल मैदान पर खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 209 रन बनाए थे। जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 187 रनों पर सिमट गई। भारतीय गेंदबाजों ने कम स्कोर का सफलतापूर्वक बचाव करते हुए मेजबान टीम को लक्ष्य तक पहुंचने नहीं दिया।

टॉस जीतकर न्यूजीलैंड ने चुनी गेंदबाजी- पांचवें वनडे मुकाबले में न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। यह मुकाबला माउंट माउंगानुई के बे ओवल मैदान पर खेला गया। पिछले मुकाबले में भारतीय टीम इसी मैदान पर महज 89 रनों पर ऑलआउट हो गई थी। ऐसे में टीम इंडिया के सामने अपनी बल्लेबाजी में सुधार करने और सीरीज जीतने की चुनौती थी।

सैंटनर और डफी ने झटके तीन-तीन विकेट- न्यूजीलैंड की ओर से कप्तान मिचेल सैंटनर और तेज गेंदबाज जैकब डफी ने तीन-तीन विकेट हासिल किए। दोनों ने अपनी सटीक लाइन और लेंथ से भारतीय बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं



दिया। इसके अलावा माइकल ब्रेसवेल ने भी अहम विकेट लेकर भारत की मुश्किलें बढ़ाईं। न्यूजीलैंड की शानदार गेंदबाजी के कारण भारतीय टीम बड़ा स्कोर खड़ा नहीं कर सकी।

भारत ने न्यूजीलैंड को दिया 210 रनों का लक्ष्य- भारतीय टीम की पारी 209 रनों पर समाप्त होने के बाद न्यूजीलैंड को जीत के लिए 210 रनों का लक्ष्य मिला। कम स्कोर होने के कारण भारतीय गेंदबाजों पर मुकाबला बचाने की बड़ी जिम्मेदारी थी। हालांकि, टीम इंडिया ने शुरुआत से ही न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा और नियमित अंतराल पर विकेट हासिल किए।

187 रनों पर सिमटी न्यूजीलैंड की टीम- 210 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी। मेजबान टीम लगातार विकेट गंवाती रही और आखिरकार 187 रनों पर ऑलआउट हो गई। भारत ने यह मुकाबला 22 रनों से अपने नाम किया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त हासिल करते हुए ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया।

भारत ने 3-1 से अपने नाम की वनडे सीरीज- न्यूजीलैंड के खिलाफ इस जीत के साथ भारत ने पांच मैचों की वनडे सीरीज 3-1 से जीत ली। इससे पहले चौथे वनडे में न्यूजीलैंड ने भारत को 244 रनों से करारी शिकस्त दी थी। उस मुकाबले में भारतीय टीम महज 89 रनों पर सिमट गई थी। हालांकि, आखिरी मैच में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन ने भारत को जीत दिलाई और टीम ने सीरीज का अंत जीत के साथ किया।

भारतीय बल्लेबाजी एक बार फिर लड़खड़ाई

पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने लगातार दबाव बनाए रखा और भारतीय बल्लेबाज बड़ी साझेदारी करने में नाकाम रहे। मिचेल सैंटनर और



जैकब डफी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए भारतीय बल्लेबाजी क्रम को झकझोर दिया। नतीजा यह रहा कि पूरी भारतीय टीम 42.1 ओवर में 209 रनों पर सिमट गई।

एलिना स्वितोलिना ने फाइनल में बनाई जगह

मिर्रा एंड्रीवा से होगा खिताबी मुकाबला



कैलिफोर्निया (एजेंसी)। डब्ल्यूटीए फाइनल 2026 के खिताबी मुकाबले की तस्वीर साफ हो गई है। यूक्रेन की स्टार टेनिस खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना ने सेमीफाइनल में चेक गणराज्य की लिंडा नोस्कोवा को एकतरफा मुकाबले में हराकर फाइनल में जगह बना ली है। स्वितोलिना ने महज 65 मिनट में 6-2, 6-1 से जीत दर्ज की। अब खिताब के लिए उनका सामना 2026 फ्रेंच ओपन चैंपियन और 19 वर्षीय रूसी खिलाड़ी मिर्रा एंड्रीवा से होगा।

लिंडा नोस्कोवा को सीधे सेटों में हराया- एलिना स्वितोलिना ने सेमीफाइनल मुकाबले में शुरुआत से ही शानदार खेल दिखाया। उन्होंने लिंडा नोस्कोवा को संभलने का ज्यादा मौका नहीं दिया और पहला सेट 6-2 से अपने नाम किया। इसके बाद दूसरे सेट में भी स्वितोलिना का दबदबा जारी रहा और उन्होंने 6-1 से जीत हासिल कर फाइनल का टिकट पक्का कर लिया।

फ्रेंच ओपन चैंपियन मिर्रा एंड्रीवा से होगी भिड़ंत- डब्ल्यूटीए फाइनल के फाइनल में स्वितोलिना के सामने 19 वर्षीय मिर्रा एंड्रीवा की चुनौती होगी। एंड्रीवा ने दूसरे सेमीफाइनल में अमेरिका की जेसिका पेगुला को 6-3, 6-4 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। साल 2026 की फ्रेंच ओपन चैंपियन एंड्रीवा इस टूर्नामेंट में भी शानदार लय में नजर आ रही हैं।

32 साल की उम्र में बनाया खास रिकॉर्ड

32 साल की उम्र में डब्ल्यूटीए के फाइनल में पहुंचकर स्वितोलिना ने एक खास उपलब्धि हासिल की है। वह 2017 में वीनस विलियम्स के बाद इस टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में पहुंचने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गई हैं। इसके अलावा वह 32 साल की उम्र के बाद डब्ल्यूटीए के फाइनल में पहुंचने वाली चौथी खिलाड़ी हैं। उनसे पहले मार्टिना नवरातिलोवा, सेरेना विलियम्स और वीनस विलियम्स यह उपलब्धि हासिल कर चुकी हैं।

खिताब के लिए होगी आखिरी जंग

डब्ल्यूटीए 2026 का फाइनल अब एलिना स्वितोलिना और मिर्रा एंड्रीवा के बीच खेला जाएगा। एक तरफ 32 वर्षीय अनुभवी स्वितोलिना हैं, जिन्होंने शानदार वापसी करते हुए फाइनल में जगह बनाई है, तो दूसरी तरफ 19 वर्षीय फ्रेंच ओपन चैंपियन एंड्रीवा हैं। अब देखना होगा कि इस खिताबी मुकाबले में अनुभव भारी पड़ता है या युवा जोश अपना जलवा दिखाता है।

अर्शदीप सिंह ने रचा इतिहास

नंबर-11 पर पहली गेंद पर सिक्स लगाने वाले तीसरे भारतीय बने



माउंट माउंगानुई (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांचवें और आखिरी वनडे मुकाबले में भले ही भारतीय बल्लेबाजी लड़खड़ा गई, लेकिन तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने अपनी बल्लेबाजी से खास रिकॉर्ड बना दिया। अर्शदीप ने नंबर-11 पर बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली ही गेंद पर छक्का जड़ दिया। इसके साथ ही वह वनडे क्रिकेट में भारत की ओर से इस खास उपलब्धि को हासिल करने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए।

वनडे में भारत के नंबर 11 बल्लेबाज द्वारा पहली ही गेंद पर छक्का लगाने वाले तीसरे भारतीय खिलाड़ी

वेंकटेश प्रसाद - इयान हार्वे (ऑस्ट्रेलिया) के खिलाफ, नैरोबी, सीटी 2000 क्वार्टर फाइनल

जसप्रीत बुमराह - पैट कमिंस (ऑस्ट्रेलिया) के खिलाफ, मोहाली, 2019

अर्शदीप सिंह - जैकब डफी (न्यूजीलैंड) के खिलाफ, माउंट माउंगानुई, 2026

भारत के लिए तीसरे बल्लेबाज बने अर्शदीप

नंबर-11 पर बल्लेबाजी करते हुए पहली गेंद पर छक्का लगाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की सूची अब तीन नामों की हो गई है। वेंकटेश प्रसाद, जसप्रीत बुमराह और अब अर्शदीप सिंह ने यह कमाल किया है। खास बात यह है कि तीनों खिलाड़ियों ने अलग-अलग दौर में अपनी बल्लेबाजी से यह यादगार उपलब्धि हासिल की है।

पहली गेंद पर छक्का लगाकर बनाया खास रिकॉर्ड

अर्शदीप सिंह ने न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी की पहली ही गेंद पर शानदार छक्का लगाया। उनका यह शॉट इसलिए भी खास रहा क्योंकि वह भारतीय पारी में आखिरी बल्लेबाज के रूप में क्रीज पर उतरे थे। नंबर-11 पर बल्लेबाजी करते हुए पहली गेंद पर छक्का लगाने का कारनामा वनडे क्रिकेट में बेहद कम भारतीय बल्लेबाजों ने किया है।

सौरव गांगुली ने वीरेंद्र सहवाग को दी बधाई, बेटे ने लगाया था अर्धशतक

एशिया कप के हीरो मोहित बोले-पता था दिन मेरा है

देखते रह गए पाकिस्तानी खिलाड़ी, भारत ने जबड़े से छीनी जीत; 19 एशिया कप पर किया कब्जा

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत की अंडर-19 टीम ने पाकिस्तान को एक विकेट से हराकर 9वीं बार एशिया कप का खिताब जीत लिया। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने लिखा, हर खिलाड़ी, हर योगदान और हर पल मायने रखता है। भारत ने आज यह बात शानदार तरीके से दिखाई।

पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने आर्यवीर सहवाग की तारीफ करते हुए लिखा- वीरू को बहुत गर्व हो रहा होगा।वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर ने फाइनल में 58 रन की पारी खेली। वे 361 रन बनाकर टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर भी रहे।इस जीत के हीरो रहे मोहित उल्वा ने आखिरी गेंद पर चौका लगाकर भारत को चैंपियन बनाया। मैच के बाद उन्होंने कहा- मुझे पता था कि आज मेरा दिन है और मैं मैच खत्म करूंगा।



क्या मैच था, शानदार अंत- सहवाग

वीरेंद्र सहवाग ने भारत की जीत को अविश्वसनीय बताया। उन्होंने लिखा, क्या मैच था! क्या शानदार अंत! 338 रन का पीछा करते हुए अंडर-19 एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराने के लिए जबरदस्त जज्बे की जरूरत थी।

लक्ष्य ने 80 रन बनाए, आर्यवीर ने 58 रन की पारी खेली। और जब टीम को चमत्कार की जरूरत थी, तब मानल चौहान और मोहित उल्वा ने कमाल कर दिया। इन युवा चैंपियंस पर गर्व है।



19 एशिया फाइनल में जीत के बाद सेलिब्रेशन पर विवाद,पाक खिलाड़ियों की तरफ इशारे पर आलोचना, बीसीसीआई सचिव बोले- जश्न मनाने का पूरा हक- भारत की अंडर-19 टीम ने एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को आखिरी गेंद पर हराकर खिताब जीता। हालांकि, जीत के बाद खिलाड़ियों के जश्न पर विवाद हो गया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कुछ भारतीय खिलाड़ी पाकिस्तानी खिलाड़ियों की तरफ इशारे करते नजर आए। इस पर हो रही आलोचना के बीच बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया ने टीम का बचाव किया है।सैकिया ने कहा कि मुश्किल हालात में जीत हासिल करने के बाद खिलाड़ियों को जश्न मनाने का पूरा अधिकार है। यह उनके आत्मविश्वास और कभी हार नहीं मानने वाले रवैये को दिखाता है।

लक्ष्य सेन ने जापान मास्टर्स का खिताब जीता

फाइनल में वर्ल्ड नंबर-15 कोकी वातानाबे को 3 गेम में हराया; 2 हफ्ते में दूसरा बीडब्ल्यूएफ टाइटल



कुमामोटो (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने कुमामोटो जापान मास्टर्स 2026 का खिताब जीत लिया है। रविवार को खेले गए मेंस सिंगल्स के फाइनल में लक्ष्य ने जापान के वर्ल्ड नंबर-15 कोकी वातानाबे को 13-21, 21-18, 21-14 से हराया।

एक घंटे 4 मिनट तक चले मुकाबले में लक्ष्य ने पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए खिताब अपने नाम किया। लक्ष्य का यह लगातार दूसरा बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब है। इससे दो हफ्ते पहले उन्होंने जर्मनी में हायलो ओपन का खिताब जीता था।

पहला गेम हारने के बाद लक्ष्य ने की वापसी- घरेलू दर्शकों के सामने खेल रहे कोकी वातानाबे ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने पहला गेम 21-13 से जीतकर बढ़त बना ली। दूसरे गेम में लक्ष्य ने अपनी रणनीति बदली और लंबी रैलियों के जरिए मुकाबले में वापसी की। कड़े संघर्ष के बाद उन्होंने यह गेम 21-18 से जीतकर स्कोर 1-1 कर दिया। निर्णायक तीसरे गेम में लक्ष्य ने शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखी। उन्होंने वातानाबे को वापसी का मौका नहीं दिया और 21-14 से गेम जीतकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर-10 को हराया था- फाइनल से पहले शनिवार को लक्ष्य ने सेमीफाइनल में इंडोनेशिया के वर्ल्ड नंबर-10 अलवी फरहान को हराया था। तीन गेम तक चले मुकाबले में उन्होंने 21-12, 15-21, 21-11 से जीत दर्ज की थी।

खराब फॉर्म से उबरकर दो हफ्ते में जीते दो खिताब- लक्ष्य सेन के लिए हायलो ओपन से पहले का समय चुनौतीपूर्ण रहा था। वे लगातार 6 टूर्नामेंट के पहले राउंड में ही बाहर हो गए थे। मार्च में ऑल इंग्लैंड ओपन के फाइनल में पहुंचने के बाद से वे किसी बड़े खिताब का इंतजार कर रहे थे।



संक्षिप्त समाचार

ट्रंप के दूतों से 4 घंटे मिले पुतिन, फिर यूक्रेन पर समझौते से किया इनकार?

मास्को , एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए अपनी मांगों में बदलाव करने से इनकार कर दिया है. उन्होंने कहा कि रूस उन यूक्रेनी इलाकों पर अपना कब्जा छोड़ने को तैयार नहीं है, जिन्हें वह अपना हिस्सा मानता है. पुतिन ने यूक्रेन में दूसरे देशों की शांति सेना तैनात करने का भी विरोध किया. उनके मुताबिक, ऐसा करना युद्ध को खत्म करने के बजाय उसे जारी रखने जैसा होगा. गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत जेरेड कुशनर और स्टीव विटकॉफ ने मॉस्को के क्रेमलिन में पुतिन से चार घंटे से ज्यादा बातचीत की. यह बैठक अबू धाबी में रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधियों के बीच दो दिन चली बातचीत के बाद हुई. इसके बाद अमेरिकी दूत आयरलैंड की राजधानी डबलिन पहुंचे और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को बातचीत की जानकारी दी. जेलेंस्की और कुशनर ने कहा कि रूस के साथ अगली बातचीत में यूरोपीय देशों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे. हालांकि, रूस ने अभी इस नए बातचीत प्रारूप की पुष्टि नहीं की है. रूस ने डोनेट्स्क, खेरसॉन, लुहांस्क और जापोरिज्जिया को अपना हिस्सा घोषित किया है. हालांकि, इन चारों क्षेत्रों पर उसका पूरा नियंत्रण नहीं है. यूक्रेन और पश्चिमी देश रूस के इस दावे को अवैध मानते हैं. पुतिन ने इन इलाकों पर नियंत्रण की मांग से पीछे हटने से इनकार कर दिया. पुतिन ने पूर्वी यूक्रेन के कोस्त्यंतिनिक्का शहर में थोड़े समय के लिए युद्धविराम और राहत अभियान चलाने का प्रस्ताव दिया. उनका दावा है कि वहां 400 से 500 आम नागरिक फंसे हैं. रूस ने पहले इस शहर पर कब्जे का दावा किया था, लेकिन यूक्रेन का कहना है कि वहां अब भी लड़ाई जारी है।

फ्रांस में बम की धमकी के बाद तीन स्कूल खाली कराए गए,

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में गुरुवार को बम की धमकी मिलने के बाद तीन स्कूलों को खाली कराया गया। हालांकि, बाद में जांच में ये सभी धमकियां झूठी निकलीं। फ्रांसीसी अखबार 'ले पेरिसियन' के मुताबिक, ये तीनों घटनाएं दक्षिणी फ्रांस के मार्सिले, पूर्वी फ्रांस के मोरेज और उत्तर-पूर्वी फ्रांस के लाओन शहर में हुईं। इन जगहों पर स्थित तीन शिक्षण संस्थानों को एहतियातन खाली कराया गया। फ्रांस के शिक्षा मंत्रालय ने बताया कि गुरुवार को बम की धमकी मिलने की तीन घटनाएं सामने आईं। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गुरुवार को कहा कि फ्रांस बम की धमकियों और चेतावनियों की बढ़ती घटनाओं को लेकर बेहद सतर्क है। चीन की समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, आयरलैंड की राजधानी डबलिन में नौवें यूरोपीय राजनीतिक समुदाय (ईपीसी) शिखर सम्मेलन से इतर पत्रकारों से बातचीत में मैक्रों ने कहा कि इन धमकियों के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करने के लिए अभी पर्याप्त सबूत नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि फिलहाल किसी विदेशी ताकत को इन घटनाओं के पीछे जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। ये घटनाएं पिछले कुछ दिनों में यूरोप के कई देशों में बम की धमकियां मिलने के बीच हुई हैं। इटली में भी कई स्कूलों को बम की धमकी वाले ईमेल मिले हैं। इतालवी अखबार 'कोरिएरे डेला सेरा' के मुताबिक, ऐसे स्कूलों की शुरुआती संख्या 1,803 बताई गई है।

पाकिस्तान की पंजाब सरकार ने इमरान खान की दो बहनों को जेल से रिहा किया

लाहौर , एजेंसी। पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की दो बहनों को पंजाब सरकार द्वारा उनकी हिरासत के आदेश वापस लिए जाने के बाद गुरुवार को रिहा कर दिया गया. विपक्षी दल पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेताओं ने यह जानकारी दी. पीटीआई के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व संघीय मंत्री मूनिस इलाही ने एक बयान में कहा कि आखिरकार कुछ अच्छी खबर मिली. उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की दो बहनों डॉ. उज्मा खान और नोरीन नियाजी को हिरासत के आदेश वापस लिए जाने के बाद कोट लखपत जेल से रिहा कर दिया गया. उन्होंने कहा, ''उम्मीद है कि अलीमा साहिबा और खान की पत्नी बुशरा बीबी को भी जल्द ही रिहा कर दिया जाएगा.'' पीटीआई के एक अन्य वरिष्ठ नेता जुल्फी बुखारी ने कहा, ''दो बहनों की रिहाई से अन्याय खत्म नहीं हो जाता और न ही इमरान खान के परिवार को दी गई यातनाएं मिट जाती हैं. हमारी मांग स्पष्ट है।

ट्रम्प ने ईरान शांति वार्ता से जेडी वेंस को हटाया

कहा– उपराष्ट्रपति घरेलू मामलों पर ध्यान दें, डेमोक्रेटिक राज्यों में भ्रष्टाचार की जांच करें

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को ईरान के साथ शांति वार्ता से अलग कर दिया है। ट्रम्प ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर कहा कि वेंस अब अमेरिका के डेमोक्रेटिक पार्टी शासित राज्यों और शहरों में भ्रष्टाचार और अपराध की जांच पर ध्यान देंगे। ट्रम्प ने यह भी कहा कि अमेरिका को अब ईरान के साथ किसी समझौते की जरूरत नहीं है। वेंस ने ईरान से बातचीत की कोशिश की थी ट्रम्प ने इस साल की शुरुआत में ईरान के साथ बातचीत की जिम्मेदारी वेंस को दी थी। वेंस इस युद्ध के पक्ष में नहीं थे। अप्रैल में उन्होंने पाकिस्तान जाकर ईरानी नेताओं से कई घंटे बातचीत भी की थी, लेकिन कोई समझौता नहीं हो सका। हाल ही में वेंस ने एक बार फिर ईरान से बातचीत शुरू करने की कोशिश की थी। उन्होंने कतर के जरिए ईरान के बड़े नेता मोहसिन रजाई को पत्र भेजा था। इसमें जल्द ही दोनों देशों के अधिकारियों की बैठक कराने का प्रस्ताव दिया गया था। वेंस ने यह भी कहा था कि वे अमेरिकी टीम की अगुआई करेंगे। लेकिन अब ट्रम्प ने इस कोशिश को रोक दिया है।

वेंस ने ईरान युद्ध को चुनावी हार की वजह बताया था : अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को बड़ा नुकसान हुआ है। चुनाव के बाद वेंस ने पार्टी की हार के लिए ईरान युद्ध को जिम्मेदार बताया था। उन्होंने सोशल



मीडिया पर लिखा था, 'हमारी हार की वजह युद्ध है।' वेंस ने यह भी कहा था कि अगर किसी को लगता है कि युद्ध की वजह से अगले छह साल तक सीनेट का नियंत्रण गंवाना सही फैसला था, तो वह अपनी बात रख सकता है। वेंस के इस बयान को ट्रम्प प्रशासन की युद्ध नीति की आलोचना माना गया था। हालांकि, ट्रम्प ने कहा था कि उन्हें वेंस की बातों से कोई नाराजगी नहीं है। उन्होंने कहा था कि भले ही कई लोगों को वेंस की टिप्पणी पसंद नहीं आई, लेकिन उन्हें इससे कोई परेशानी नहीं है।

अब डेमोक्रेटिक राज्यों में भ्रष्टाचार की जांच करेंगे वेंस : ट्रम्प ने वेंस को डेमोक्रेटिक पार्टी के शासन वाले शहरों और राज्यों में भ्रष्टाचार और अपराध की जांच पर ध्यान देने को कहा है। अमेरिका के मिनेसोटा राज्य में धोखाधड़ी का एक बड़ा मामला सामने आया है। इस मामले में कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है।वेंस का कैरेबियाई और दक्षिण अमेरिकी देशों का दौरा भी रद्द कर दिया गया है। इस दौरे में डोमिनिकन रिपब्लिक, कोलंबिया, अर्जेंटीना और चिली जाना शामिल था। अधिकारियों के मुताबिक, इस दौरे की तैयारी अक्टूबर से चल रही थी। पहले डोमिनिकन रिपब्लिक का दौरा रद्द हुआ और फिर बाकी देशों की यात्रा भी रोक दी गई। ये सभी देश ट्रम्प प्रशासन के करीबी माने जाते हैं।

होर्मुज स्ट्रेट को लेकर अब भी तनाव जारी : अमेरिका और ईरान के बीच बड़े सैन्य हमले फिलहाल रुके हुए हैं, लेकिन दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है। होर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण को लेकर भी टकराव जारी है। यह समुद्री रास्ता दुनिया के सबसे अहम तेल मार्गों में से एक है। अमेरिका ने ईरान के तेल निर्यात को रोकने के लिए समुद्री नाकेबंदी कर रखी है। वहीं, अमेरिकी नौसेना के जहाज दूसरे देशों के तेल टैंकरों की आवाजाही सुरक्षित रखने के लिए गश्त कर रहे हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और सेना के बड़े अधिकारियों ने ट्रम्प को ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई तेज करने के विकल्प भी दिए हैं। यानी ट्रम्प के पास युद्ध को फिर बढ़ाने का विकल्प मौजूद है। हालांकि, हाल ही में एक इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा था कि अब उन्हें ईरान की परमाणु क्षमता को लेकर पहले जैसी चिंता नहीं है। यही परमाणु कार्यक्रम युद्ध शुरू करने की प्रमुख वजह बताया गया था।

ईरान ने होर्मुज खोलने के लिए शर्त रखी थी : करीब दो सप्ताह पहले ईरान ने कहा था कि अगर अमेरिका उसकी शर्तें मान ले तो वह दो दिन के भीतर होर्मुज स्ट्रेट खोल सकता है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिकी मिडटर्म चुनाव के बाद सोशल मीडिया पर लिखा था, 'अमेरिकी मतदाताओं ने अपना फैसला सुना दिया है। अब व्हाइट हाउस की बारी है।'

उन्होंने कहा था, अमेरिका और इजराइल ने मिलकर ईरान पर हमला किया था : अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को परमाणु हथियार बनाने का आरोप लगाते हुए ईरान पर हमले शुरू किए थे। इसके बाद ईरान ने भी जवाबी हमले किए और दोनों के बीच जंग शुरू हो गई। अप्रैल की शुरुआत में दोनों पक्षों के बीच सीजफायर हुआ, लेकिन यह ज्यादा समय तक नहीं चला। जून में फिर से सीजफायर और जंग खत्म करने को लेकर समझौता हुआ, लेकिन अगस्त में यह भी टूट गया और तनाव फिर बढ़ गया। अब जंग रोकने को लेकर बातचीत चल रही है।

तालिबान का अघोषित फरमान: पुरुष डॉक्टर नहीं करेंगे महिलाओं का इलाज

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबान के अघोषित प्रतिबंधों ने महिलाओं के लिए बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं हासिल करना भी दूभर कर दिया है। 'द गार्जियन' और 'ज़ान टाइम्स' की एक संयुक्त रिपोर्ट के अनुसार, पुरुष डॉक्टरों और दंत चिकित्सकों (डेंटिस्ट) द्वारा महिला मरीजों के इलाज पर लगी अनौपचारिक रोक ने महिलाओं को बेहद बेबस कर दिया है।

इसी साल ईरान से लौटी हेरात शहर की 37 वर्षीय फरीदा (बदला हुआ नाम) का परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। जुलाई की शुरुआत में दांतों के असहनीय दर्द के कारण वह एक डेंटल क्लिनिक गई। डॉक्टर ने डेंचर लगाने की सलाह दी और पूरा खर्च एडवांस में जमा करवा लिया। लेकिन तीसरे सेशन में, जब इम्प्लांट लगाया जाना था, उन्हें यह कहकर वापस भेज दिया गया कि अभी इलाज नहीं हो सकता, आप घर जाएं। दो दिन बाद क्लिनिक ने बताया कि पुरुष डेंटिस्ट अब महिलाओं का इलाज नहीं कर सकते। तीन महीने के बाद भी फरीदा का इलाज अधूरा है।

पाबंदियों का स्तर इस हद तक पहुंच गया है कि मई में उत्तरी बल्ख प्रांत के अधिकारियों ने सभी सरकारी और निजी अस्पतालों को निर्देश दिया कि महिला मरीजों को उनके असली नाम से न बुलाया जाए। यहां तक कि डॉक्टर के पर्चे पर भी महिलाओं के नाम की जगह 'बीबी' लिखने का आदेश दिया गया है। कुनार प्रांत की रहीमा (बदला हुआ नाम) बताती हैं कि उनकी एक बुजुर्ग रिश्तेदार इलाज के लिए भटकना पड़ा।

छापेमारी और जेल का खौफ : तालिबान सुरक्षा बल क्लिनिकों पर छापेमारी कर रहे हैं। पुरुष डॉक्टरों को चेतावनी दी गई है कि यदि क्लिनिक में महिला मरीज पाई गईं, तो उन्हें जेल में डाल दिया जाएगा। एक सर्जन ने कहा कि उन्हें बिना महरम (पुरुष अभिभावक) के महिला मरीजों का इलाज न करने को कहा गया है।? फरवरी में तालिबान के संचार मंत्री हमदुल्लाह नोमानी ने दावा किया था कि इलाज करते समय पुरुष डॉक्टरों को 'महरम' ही माना जाएगा, लेकिन जमीनी हकीकत इसके ठीक विपरीत है। पूर्वी शहर जलालाबाद के एक डेंटल क्लिनिक में सहायक के रूप में काम करने वाली नरगिस (बदला हुआ नाम) बताती हैं कि कुछ डॉक्टर इलाज के दौरान बाहर एक व्यक्ति को पहरे पर रखते हैं। उनके डॉक्टर अक्सर मजाक में कहते हैं कि ऑफिस में एक 'चादरी' (अफगान बुर्का) रख लेनी चाहिए, ताकि तालिबान अधिकारियों के आने पर वह उसे पहन लें और पकड़े न जाएं।

महिला डॉक्टरों का संकट और तालिबान का दोहरा रवैया : दिसंबर 2024 से महिलाओं के मेडिकल संस्थानों में पढ़ने और अस्पतालों में महिला स्टाफ की भर्ती पर रोक लगने के कारण महिला डॉक्टरों की भारी कमी हो गई है। जो गिनी-चुनी महिला डॉक्टर काम कर रही हैं, उनके लिए भी महरम साथ रखना अनिवार्य है।

अमेरिकी रक्षामंत्री को डांटने वाले सैनिक को मेडल : हेगसेथ ने खुद सम्मानित किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को डांटने वाले सैनिक को खुद उन्होंने मेडल देकर सम्मानित किया है। सैनिक थॉमस इग्लेसियस ने 11 नवंबर को वेटरन्स डे के मौके पर युद्ध स्मारक के पास हेगसेथ और उनकी टीम को चुप रहने की हिदायत दी थी। उस समय टीम के कुछ लोग आपस में बात कर रहे थे और हंस रहे थे। गुरुवार को पेंटागन में हेगसेथ ने इग्लेसियस को जॉइंट सर्विस कमेंडेशन मेडल दिया। हेगसेथ ने सम्मान समारोह की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं। उन्होंने लिखा, 'हम अपने सैनिकों से प्यार करते हैं। हमें अनुशासन और तय मानकों पर गर्व है। शाबाश स्पेशलिस्ट, अपना काम जारी रखो।

वेटरन्स डे के कार्यक्रम के बाद हुआ था पूरा मामला : यह घटना बुधवार को अमेरिका के सालाना वेटरन्स डे के मौके पर हुई थी। इस दिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ अर्लिंगटन नेशनल कब्रिस्तान पहुंचे थे। यहां शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के बाद हेगसेथ अपनी पत्नी जेनिफर औरतीन सलाहकार रिकी बुरिया, टैमी राडाबॉ और पैट्रिक वीवर के साथ अज्ञात सैनिक की समाधि (टॉम्ब ऑफ द अननोन सोल्जर) के सामने तस्वीरें खिंचवा रहे थे। इसी दौरान समूह में से किसी के हंसने की आवाज आई। कुछ लोग आपस में बात भी कर रहे थे। वहां ड्यूटी पर तैनात सैनिक थॉमस इग्लेसियस ने उन्हें तुरंत टोका। उन्होंने आवाज लगाकर कहा, 'सभी लोग हर समय शांति और सम्मान बनाए रखें।' इस घटना का वीडियो भी सामने आया था। वीडियो सामने आने के बाद पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता सीन पार्नेल ने सैनिक का समर्थन किया था। उन्होंने कहा कि सैनिक ने सही और सम्मानजनक तरीके से सभी को वहां शांति बनाए रखने की याद दिलाई। यह अमेरिका के सबसे सम्मानित युद्ध स्मारकों में से एक है। यहां उन सैनिकों को दफनाया गया है, जिनकी युद्ध में मौत के बाद पहचान नहीं हो सकी थी। इनमें प्रथम विश्व युद्ध, द्वितीय विश्व युद्ध और कोरियाई युद्ध में मारे गए।

यूएई में बेकाबू ट्रक ने 23 वाहनों को टक्कर मारी, 3 भारतीयों समेत 14 की मौत

दुबई/ फुजैराह , एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह में गुरुवार देर रात एक बेकाबू ट्रक ने 23 वाहनों को टक्कर मार दी। हादसे में तीन भारतीयों समेत 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 लोग घायल हुए है। मरने वाले भारतीय केरल के मलप्पुरम जिले के एक ही परिवार के थे। इनमें जुड़वा भाई-बहन भी शामिल हैं। टक्कर के बाद कई गाड़ियों में आग लग गई। कुछ शव बुरी तरह जल गए हैं, इसलिए मृतकों की पहचान के लिए डीएनए जांच कराई जा रही है।

हादसे में 7 देशों के नागरिकों की मौत : यूएई के गृह मंत्रालय के मुताबिक, हादसे में मारे गए लोगों में यूएई, ओमान, भारत, ब्राजील, पाकिस्तान, जॉर्डन और मिस्र के नागरिक शामिल हैं। हादसे में घायल 30 लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया था। इनमें से करीब आधे लोगों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। बाकी का इलाज जारी है।

केरल सरकार ने मृतकों के परिवार की मदद के आदेश दिए



हादसे में जान गंवाने वाले तीनों भारतीय की पहचान मुहम्मद अस्मिल, उनकी जुड़वा बहन मिस्ना जुबिन और मुहम्मद फैज के रूप में हुई है। केरल के मुख्यमंत्री वीडी. सतीशन ने पीड़ित परिवार की मदद के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। उन्होंने परिवार को जरूरी सहायता उपलब्ध कराने को कहा है। दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने भी भारतीय नागरिकों की मौत की पुष्टि की है। दूतावास ने कहा कि वह पीड़ित परिवारों के संपर्क में है और स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर उन्हें हर संभव मदद दे रहा है। टक्कर के बाद गाड़ियों में आग फैली यूएई के गृह मंत्रालय के मुताबिक, हादसा फुजैराह शहर के एंट्री रूट पर आधी रात से कुछ समय पहले हुआ। सड़क पर ट्रैफिक धीमी गति से चल रहा था। इसी दौरान एक ट्रक के चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। ट्रक पहले एक वाहन से टकराया और फिर पलटकर सड़क पर धीमी रफ्तार से चल रहे या रुके हुए वाहनों से जा भिड़ा। टक्कर के बाद लगी आग तेजी से आसपास की गाड़ियों में फैल गई। हादसे में कुल 23 वाहन शामिल थे, जिनमें 18 कारें और 5 ट्रक थे। सूचना मिलते ही पुलिस, एंबुलेंस और सिविल डिफेंस की टीमें मौके पर पहुंचीं। बचावकर्मियों ने आग बुझाने, घायलों को निकालने और उन्हें अस्पताल पहुंचाने का काम किया।

एंट्री गेट पर धीमी रफ्तार वाहनों से जा टकराया ट्रक 23 गाड़ियां हुईं क्षतिग्रस्त : यूएई के गृह मंत्रालय के अनुसार, यह दुर्घटना फुजैराह के एंट्री गेट पर आधी रात से कुछ समय पहले हुई, जब सड़क पर वाहन धीमी गति से चल रहे थे। हादसे में कुल 23 वाहन शामिल थे, जिनमें पांच ट्रक भी थे। मंत्रालय ने बताया कि टक्कर लगते ही ट्रक में आग भड़क उठी, जो देखते ही देखते आसपास खड़े और फंसे हुए अन्य वाहनों तक फैल गई। आग की लपटों के कारण बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हुआ।

मृतकों की पहचान के लिए डीएनए जांच, भारतीय दूतावास सक्रिय : अस्पताल में घायलों का उपचार: फुजैराह पुलिस ने जानकारी दी कि दुर्घटना में घायल हुए सभी 30 लोगों को तत्काल नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। आग में झुलसने के कारण मृतकों की शिनाख्त के लिए डीएनए जांच का सहारा लिया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक मृतकों में यूएई के कुछ स्थानीय नागरिक शामिल हैं। वहीं, यूएई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने पुष्टि की है कि इस हादसे में भारतीय नागरिकों की भी जान गई है।

अमेरिकी नौसेना में कार्रवाई से मचा बवाल: पनडुब्बी और युद्धपोत के कमांडर हटाए; कांग्रेस ने मांगा जवाब

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी नौसेना में पिछले कुछ महीनों के दौरान कई वरिष्ठ अधिकारियों को बिना सार्वजनिक घोषणा के उनके पदों से हटा दिया गया। आमतौर पर नौसेना ऐसे फैसलों की आधिकारिक जानकारी साझा करती है, लेकिन इस बार गोपनीयता बरतने से अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य नाराज हैं। सांसदों का कहना है कि महत्वपूर्ण सैन्य पदों पर तैनात अधिकारियों को हटाने की जानकारी कांग्रेस को भी नहीं दी गई। इससे नौसेना की पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल खड़े हो गए हैं।

पनडुब्बी की पूरी नेतृत्व टीम पर गिरी गाज : दो डेमोक्रेटिक सांसदों के मुताबिक, पिछले महीने समुद्र के भीतर किसी वस्तु से टकराने की घटना के बाद नौसेना ने परमाणु ऊर्जा से संचालित अटैक पनडुब्बी यूएसएस साउथ डकोटा की पूरी



नेतृत्व टीम को हटा दिया। इसमें पनडुब्बी के कमांडर, उनके डिप्टी और सबसे वरिष्ठ नाविक शामिल थे। हैरानी की बात यह है कि नौसेना ने न तो इस कार्रवाई की सार्वजनिक घोषणा की और न ही टक्कर की घटना पर विस्तृत जानकारी दी।

ईरान के खिलाफ तैनात युद्धपोत की कमांडर भी हटाई : एक अमेरिकी रक्षा अधिकारी के अनुसार, नौसेना ने 27 सितंबर को यूएसएस माइकल मर्फी डिस्ट्रॉयर की कमांडर कैटलिन कनिंघम को भी पद से हटा दिया। यह युद्धपोत ईरान के खिलाफ अभियानों में सहायता के लिए मध्य पूर्व में तैनात था। कनिंघम को हटाने का कारण 'भरोसा खत्म होना' (लॉस ऑफ कॉन्फिडेंस) बताया गया। उन्हें कमांडर की जिम्मेदारी संभाले अभी एक साल भी पूरा नहीं हुआ था। अधिकारी ने संवेदनशील जानकारी होने के कारण अपनी पहचान गोपनीय रखी।

पुरानी परंपरा से अलग नौसेना की कार्रवाई : अमेरिकी नौसेना में किसी कमांडर को हटाए जाने पर आमतौर पर कुछ ही दिनों में आधिकारिक घोषणा की जाती है। हालांकि, कनिंघम के मामले में ऐसा नहीं हुआ। मीडिया के सवालों पर भी नौसेना ने कोई टिप्पणी नहीं की। पनडुब्बी की नेतृत्व टीम को हटाने की जानकारी भी कांग्रेस को समय पर नहीं दी गई। इस रवैये को नौसेना की स्थापित सूचना साझा करने की परंपरा से अलग माना जा रहा है। कनेक्टिकट के जो कर्टनी और वाशिंगटन के एडम स्मिथ ने नौसेना के शीर्ष अधिकारियों को पत्र लिखकर नाराजगी जताई है। कार्यवाहक नौसेना सचिव हंग काओ और एडमिरल डेरिल कॉडल को भेजे गए पत्र में उन्होंने कहा कि यूएसएस साउथ डकोटा की नेतृत्व टीम को हटाने की जानकारी हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी को नहीं देना निराशाजनक है। सांसदों के मुताबिक, इस तरह की जानकारी साझा नहीं करने से नौसेना की पारदर्शिता और कांग्रेस के साथ उसके कामकाजी संबंध प्रभावित होते हैं। मोनाहन नौसेना में रियर एडमिरल होने के साथ कांग्रेस और सुप्रीम कोर्ट के अटेंडिंग फिजिशियन भी रहे हैं। उन्होंने करीब 18 वर्षों तक इस कार्यालय का नेतृत्व किया।



रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म होने की उम्मीद: जेलेंस्की से मिले ट्रंप के दूत

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने आयरलैंड में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर से मुलाकात की। यह बैठक ऐसे समय हुई, जब दोनों अमेरिकी दूत इससे पहले मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत कर चुके थे। बैठक में रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने के लिए राजनयिक प्रयासों, कैदियों की अदला-बदली और शांति वार्ता में यूरोप की भूमिका बढ़ाने पर चर्चा हुई।

कैदियों की सबसे बड़ी अदला-बदली की तैयारी : जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इस मुलाकात के तीन प्रमुख नतीजों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि युद्ध शुरू होने के बाद से कैदियों की अब तक की सबसे बड़ी अदला-बदली की तैयारी की जा रही है। जेलेंस्की ने इसे बातचीत का पहला मानवीय नतीजा बताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस पहल से बड़ी संख्या में युद्धबंदियों की रिहाई का रास्ता साफ होगा।

शांति वार्ता में यूरोप को बराबर की भागीदारी : जेलेंस्की ने कहा कि दूसरा बड़ा नतीजा राजनयिक प्रयासों में यूरोपीय प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी बढ़ाना है। यूक्रेन चाहता



है कि शांति वार्ता की मेज पर यूरोप को भी बराबर की जगह मिले। उनके मुताबिक, यूक्रेन पूरे यूरोप के हितों की रक्षा करता है और इसलिए इस प्रक्रिया में यूरोपीय देशों की भूमिका महत्वपूर्ण है।

बहुपक्षीय बैठकों का भी बनेगा रास्ता : यूक्रेनी राष्ट्रपति ने बताया कि शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए कुछ और बहुपक्षीय बैठकों की तैयारी की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यूक्रेन राजनयिक प्रयास जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। इन बैठकों का उद्देश्य रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष का समाधान निकालने के लिए बातचीत को आगे बढ़ाना है।

मॉस्को में पुतिन से मिले थे अमेरिकी दूत : आयरलैंड में हुई बैठक से पहले विटकॉफ और कुशनर ने मॉस्को के क्रेमलिन में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। इस दौरान रूस, यूक्रेन और अमेरिका के बीच चल रही बातचीत के ताजा घटनाक्रमों की समीक्षा की गई। यह बैठक अबू धाबी में दो दिनों तक चली त्रिपक्षीय बातचीत के बाद हुई थी। हालांकि, अबू धाबी वार्ता में कोई बड़ा समझौता नहीं हुआ, लेकिन कैदियों की अदला-बदली सहित कुछ मुद्दों पर प्रगति हुई। विटकॉफ ने बातचीत को बताया सकारात्मक मॉस्को से रवाना होने से पहले वुनुकोवो हवाई अड्डे पर सीएनएन से बातचीत में विटकॉफ ने वार्ता को सकारात्मक बताया। उन्होंने कहा कि बातचीत में प्रगति हुई है और त्रिपक्षीय वार्ता दोबारा शुरू करना अपने आप में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उनके मुताबिक, अगली बैठक भी तय कर ली गई है। विटकॉफ ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप संघर्ष को बातचीत के जरिए समाप्त करने के प्रयास कर रहे हैं और इस दिशा में आगे बढ़ना उनकी प्राथमिकता है। उन्हें उम्मीद है कि इस बातचीत से अगले दौर की बहुपक्षीय वार्ता को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। विटकॉफ ने यह भी कहा कि यूरोपीय देश अमेरिका के साझेदार हैं और शांति प्रक्रिया में उनकी भागीदारी जरूरी है।

THE UNCOVERED UPDATE
सच जो छुपा था, अब सामने है
हिन्दी समाचार पत्र
राजस्थान अपडेट
धरोहर, विकास और जनहित की खबर
| Digital Edition | RJHIN/25/A4779
सोमवार, 16 नवंबर, 2026

लोककथाओं को साहित्य में नई पहचान दिलाने वाले विजयदान देथा का जन्म शताब्दी वर्ष, सेमिनार में हुई कृतियों पर चर्चा

विजयदान देथा की 'बातां री फुलवाड़ी' को राजस्थानी लोककथाओं का एक तरह का एनसाइक्लोपीडिया कहा जा सकता है

द अनकवर्ड अपडेट



जयपुर। राजस्थान की लोककथाओं को साहित्य की दुनिया में नई पहचान दिलाने वाले विजयदान देथा 'बिज्जी' का जन्म शताब्दी वर्ष मनाया जा रहा है. इस कड़ी में रविवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर की ओर से उनके जीवन और साहित्यिक योगदान पर विशेष सेमिनार आयोजित किया गया. 'द लाइफ एंड वर्क्स ऑफ विजयदान देथा (बिज्जी)' विषय पर हुए इस आयोजन में साहित्य और संस्कृति से जुड़े विशेषज्ञ उनके लेखन, लोककथाओं और रचनात्मक योगदान पर चर्चा की.

1 सितंबर, 1926 को जोधपुर के निकट बोरूंदा गांव में जन्मे विजयदान देथा ने गांवों की चौपालों, बुजुर्गों की जुबान और लोक कलाकारों से सुनी कहानियों को अपनी कल्पनाशीलता और सामाजिक सोच के साथ ऐसा साहित्यिक रूप दिया कि राजस्थान की लोकसंस्कृति देश-दुनिया तक पहुंच गई. उनकी कहानियों में केवल राजा-रानी, जादू और लोकविश्वास ही नहीं थे, बल्कि समाज की विसंगतियों, महिलाओं की स्वतंत्रता, सामंती व्यवस्था और आम आदमी के संघर्ष की आवाज भी थी. यही वजह रही कि उनकी कहानियां किताबों से निकलकर फिल्मों और रंगमंच तक पहुंचीं. 'दुविधा' से लेकर 'पहेली' और 'परिणीति' जैसी फिल्मों के जरिए बिज्जी की कहानियों ने बड़े पर्दे पर भी अपनी अमिट छाप छोड़ी.

लोककथाओं को बनाया कालजयी साहित्य- राजस्थानी साहित्य को दिए गए उनके योगदान पर रविवार को उदय प्रकाश, पुरुषोत्तम अग्रवाल और चंद्रप्रकाश, ओंकार सिंह लखावत, अरुण कुमार आसफल, मलचंद तिवारी और शीन काफ निजाम जैसे वक्ताओं ने विचार रखेंगे. बिज्जी के जन्म शताब्दी वर्ष पर हुआ ये आयोजन उनके साहित्य को नई पीढ़ी तक पहुंचाने और राजस्थानी भाषा की समृद्ध लोकपरंपरा के नाम रहा. वक्ताओं ने बताया कि उनकी चर्चित कृति 'बातां री फुलवाड़ी' के 14 खंड राजस्थानी लोककथाओं का विशाल संसार समेटे हुए हैं. इस कृति के लिए उन्हें 1974 में साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला.

करीब 800 कहानियों में समेटा राजस्थान का लोकजीवन : बिज्जी के पारिवारिक सदस्य जोरावर सिंह ने बताया कि ये विजयदान देथा का जन्म शताब्दी वर्ष है. लोग उन्हें प्यार से 'बिज्जी' कहते थे. वे महान रचनाकार होने के साथ ही एक महान आत्मा थे. उन्होंने राजस्थानी के साथ हिंदी साहित्य में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया. उनकी 'बातां री फुलवाड़ी' को राजस्थानी लोककथाओं का एक तरह का एनसाइक्लोपीडिया कहा जा सकता है. उन्होंने करीब 800 कहानियां लिखीं और राजस्थानी लोककथाओं को साहित्य के माध्यम से संरक्षित किया. उनकी कहानियों पर 'परिणीति', 'दुविधा' और 'पहेली' जैसी फिल्में बनीं. उन्होंने अपनी भाषा और अपनी मिट्टी से जुड़े रहकर यह साबित किया कि स्थानीय कहानियों में भी वैश्विक पहचान हासिल करने की ताकत होती है.

'दुविधा' से 'पहेली' तक पहुंचा लोककथा का सफर- बिज्जी की कहानियों का प्रभाव साहित्य तक सीमित नहीं रहा. उनकी कहानी 'दुविधा' पर 1973 में मणि कौल ने इसी नाम से फिल्म बनाई. बाद में इसी कहानी से प्रेरित होकर अमोल पालेकर ने शाहरुख खान और रानी मुखर्जी अभिनीत फिल्म 'पहेली' बनाई. वर्ष 2005 में रिलीज हुई यह फिल्म भारत की ओर से ऑस्कर के लिए आधिकारिक प्रविष्टि भी बनी. उनकी कहानी 'चरनदास चोर' को प्रसिद्ध रंगकर्मी हबीब तनवीर ने नाटक के रूप में मंचित किया. वहीं प्रकाश झा की फिल्म 'परिणीति' भी उनकी कहानी पर आधारित थी. इस तरह बोरूंदा के गांवों में सुनी-सुनाई जाने वाली कहानियां साहित्य, रंगमंच और सिनेमा के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय पहचान तक पहुंचीं.

जयपुर आने पर पोती के घर रुकते थे बिज्जी- विजयदान देथा की पोती रश्मि ने उनके व्यक्तित्व और पारिवारिक जीवन को याद करते हुए बताया कि जब भी बिज्जी जयपुर आते थे, तो उनके घर ही रुकते थे. उन्हें घर के हाथों से बने भजन बहुत पसंद थे. खाने के भी बेहद शौकीन थे और दाना मेथी उन्हें खास तौर पर पसंद थी. रश्मि ने बताया कि उनकी किताबों में 'बातां री फुलवाड़ी' और दूसरी रचनाओं का अलग ही संसार है. उनकी कहानियां इतनी रोचक होती थीं कि पाठक एक बार पढ़ना शुरू करे तो उनसे जुड़ता चला जाता था. उनकी कई कहानियों पर फिल्में भी बनीं. उन्होंने राजस्थानी भाषा को आगे बढ़ाने और नई पीढ़ी को इससे जोड़ने की अपील भी की।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने छठ महापर्व पर श्रद्धालुओं को दी शुभकामनाएं, विद्याधर नगर की जेडीए और गौतम विहार कॉलोनी में छठ पूजा कार्यक्रमों में हुई शामिल



द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। उपमुख्यमंत्री एवं विद्याधर नगर विधायक दिया कुमारी ने आज लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र की जेडीए कॉलोनी एवं गौतम विहार कॉलोनी में आयोजित छठ पूजा के पावन कार्यक्रमों में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने माताओं-बहनों एवं समस्त श्रद्धालुओं को छठ महापर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर दिया कुमारी ने कहा कि छठ महापर्व हमारी समृद्ध सनातन संस्कृति, अटूट आस्था, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और लोक परंपराओं का अनुपम प्रतीक है। यह पर्व समाज में श्रद्धा, समर्पण और सामाजिक एकता का संदेश देता है। उन्होंने भगवान सूर्यदेव एवं छठी मैया से सभी के जीवन में सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। छठ पूजा के पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ सूर्य उपासना और छठी मैया की आराधना की गई। इस अवसर पर अध्यक्ष श्री उमेश गुप्ता जी, श्री राजेश शाह जी, श्री आशुतोष पंत जी, श्री विशाल सिंह जी, श्री सोहन चौधरी जी, श्री उदय शाह जी, मंडल अध्यक्ष श्री राकेश अग्रवाल जी, युवा मोर्चा अध्यक्ष श्री राजू मीणा जी, पार्षद प्रत्याशी श्री हनुमान सैनी जी व श्रीमती सुमन अग्रवाल जी, श्री सुनील कारोड़िया जी, श्री रोशन सैनी जी, श्री रोहिताश जी, श्री सुरेश जी, श्री आदित्य जी एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जयपुर में राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता 2026 का भव्य समापन, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने प्रतिभागियों का बढ़ाया उत्साह



द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी आज जयपुर के शास्त्री नगर में भारत विकास परिषद, उत्तर-पश्चिम क्षेत्र द्वारा आयोजित क्षेत्र स्तरीय राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता 2026 के समापन सत्र में शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता राष्ट्रप्रेम, देशभक्ति और भारतीय लोक संस्कृति की सुंदर अभिव्यक्ति है। इस तरह के आयोजन राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक विरासत और देश के प्रति समर्पण की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम में भारत विकास परिषद के क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री विक्रांत खण्डेलवाल जी, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री विनीत गर्ग जी, राष्ट्रीय संयोजक संस्कार डॉ. त्रिभुवन शर्मा जी, क्षेत्रीय महासचिव श्री संदीप बाल्दी जी, प्रांत महासचिव श्री ओम प्रकाश रावत जी, शाखा अध्यक्ष श्री शंकर दायमा जी एवं अन्यगणमान्य लोग उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किया निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का अवलोकन, अशोका फाउंडेशन के प्रयासों को सराहा



द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज जवाहर नगर स्थित सत्य साई कॉलेज में अशोका फाउंडेशन द्वारा आयोजित 185वें निःशुल्क मोतियाबिंद जांच एवं लेंस प्रत्यारोपण शिविर में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने शिविर का अवलोकन कर स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अशोका फाउंडेशन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि जरूरतमंद लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना और उन्हें पुनः दृष्टि का उपहार देना बेहद सराहनीय एवं अनुकरणीय कार्य है। ऐसे सामाजिक सेवा के प्रयास समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक आदरणीय दुर्गादास जी भाईसाहब, पूर्व विधायक श्री अशोक लाहोटी जी, आयकर आयुक्त श्री धीरज जैन जी, अशोका फाउंडेशन की चेयरपर्सन डॉ. सोनिया जैन जी, प्रिंसिपल श्रीमती कमलेश जी एवं अन्य गणमान्यजन के साथ ही लाभार्थी उपस्थित रहे।

एक सिक्के की कीमत 7 लाख रुपये! उदयपुर में सजी इस अनोखी प्रदर्शनी को देखने उमड़े लोग

तीन दिवसीय मुद्रा एवं दुर्लभ संग्रहणीय वस्तुओं की प्रदर्शनी. एक छत के नीचे दिख रही इतिहास की अनमोल विरासत

द अनकवर्ड अपडेट



उदयपुर। झीलों की नगरी उदयपुर में इतिहास और विरासत का अनूठा खजाना देखने को मिल रहा है. शहर के 100 फीट रोड स्थित अशोका ग्रीन में शुक्रवार से तीन दिवसीय मुद्रा एवं दुर्लभ संग्रहणीय वस्तुओं की प्रदर्शनी शुरू हुई. इसमें करीब 700 साल पुराना सोने का सिक्का, मुगलकालीन मुद्राएं और ब्रिटिश शासनकाल के दुर्लभ सिक्के आकर्षण का केंद्र बने हैं. यहां सात लाख रुपए कीमत का एक दुर्लभ सिक्का भी प्रदर्शित किया गया है.

देशभर से पहुंचे संग्रहकर्ता, 1200 दुर्लभ सिक्के प्रदर्शितः प्रदर्शनी के आयोजक संदीप जैन ने बताया कि गुजरात, हरियाणा, मध्यप्रदेश और पंजाब के साथ दक्षिणी राज्यों से भी संग्रहकर्ता आए हैं. इनके पास वर्षों से संजोकर रखे करीब 200 सोने और 1000 चांदी के दुर्लभ सिक्कों का संग्रह है. प्रदर्शनी में 100 से लेकर 1500 साल से अधिक पुरानी ऐतिहासिक वस्तुएं भी रखी हैं. इनमें ब्रिटिशकालीन मेडल, प्राचीन बर्तन, पानी में तैरने वाले विशेष पत्थर और मेवाड़ सहित विभिन्न रियासतों के पुराने ताले शामिल हैं.

एक सिक्का सात लाख काः जैन के अनुसार, प्रदर्शनी में मारवाड़ के सुल्तान का करीब 700 साल पुराना सोने का सिक्का खास आकर्षण है. इसके अलावा बादशाह शाह आलम का एक सिक्का करीब सात लाख रुपए कीमत का बताया जा रहा है. मुगलकालीन सिक्कों में बादशाह शाहजहां के शासनकाल में जारी चांदी का रुपया, आगरा में बना अकबर का सिक्का, लाहौर में ढाला अकबर का चार आना और जहांगीर के समय का सिक्का शामिल है. मैसूर के कृष्णराज वाडियार के दौर का सोने का सिक्का और ब्रिटिशकालीन महारानी विक्टोरिया का चांदी का सिक्का भी लोगों को आकर्षित कर रहा है.

125 साल पुरानी एकलिंगनाथ की पेंटिंगः- सिक्कों के अलावा प्राचीन चित्रकला भी लोगों का ध्यान खींच रही है. नाथद्वारा से आए संग्रहकर्ता ने 150 से 200 साल पुरानी पेंटिंग्स प्रदर्शित की. इनमें कैलाशपुरी स्थित श्री एकलिंगनाथ महादेव की करीब 125 साल पुरानी पेंटिंग विशेष आकर्षण बनी है. श्रीनाथजी और राधा-कृष्ण के पुराने चित्र भी कलाप्रेमियों को पसंद आ रहे हैं. साथ ही श्रीलंका, तिब्बत और थाईलैंड की प्राचीन मुद्राएं, पारंपरिक आभूषण और कलाकृतियां भी प्रदर्शनी में रखी गई हैं.

पुराने नोटों के नाम पर ठगी से सावधान- इंदौर से आए संग्रहकर्ता विजेश सोनी ने पुराने नोटों और सिक्कों की खरीद के नाम पर ठगी को लेकर लोगों को आगाह किया. उन्होंने बताया कि ट्रैक्टर की तस्वीर वाले नोट को एक करोड़ रुपए में खरीदने और वैष्णोदेवी वाले विशेष सिक्के के बदले बड़ी रकम देने का झांसा दिया जाता है. इसके लिए पहले रजिस्ट्रेशन और फिर टैक्स के नाम पर हजारों से लाखों रुपए तक जमा करवाए जाते हैं. रकम मिलने के बाद ठग मोबाइल बंद कर संपर्क तोड़ लेते हैं. उन्होंने लोगों से ऐसे प्रलोभनों से सावधान रहने की अपील की. तीन दिवसीय प्रदर्शनी में लोग दुर्लभ वस्तुओं को करीब से देखने के साथ इतिहास और महत्व की जानकारी ले सकते हैं. पसंद आने वाली वस्तुओं की खरीद-बिक्री की सुविधा भी उपलब्ध है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने महंत श्री अंजन कुमार गोस्वामी को अर्पित की श्रद्धांजलि



द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज जयपुर के आराध्य देव श्री गोविंद देव जी मंदिर के महंत श्री अंजन कुमार गोस्वामी जी के स्वर्गवास पर उनके निवास पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस दौरान उपमुख्यमंत्री ने दिवंगत महंत श्री अंजन कुमार गोस्वामी जी को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शोकाकुल परिवारजनों से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं तथा इस दुख की घड़ी में परिवार को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

दिया कुमारी ने दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोक संतप्त परिजनों को यह अपार दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से कामना की।

अब अजमेर घूमने में लगेंगे दो दिन, तीन झीलें, लैपर्ड सफारी, तारागढ़ और नए टूरिस्ट पॉइंट पर्यटकों को करेंगे आकर्षित- देवनानी

विधानसभा अध्यक्ष का दीपावली स्नेह मिलन समारोह

पत्रकारों से संवाद में बोले -नया अजमेर बन रहा है, विकास में सभी बने भागीदार

द अनकवर्ड अपडेट



जयपुर। अजमेर अब विकास और पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान बनाने की ओर अग्रसर है। आने वाले समय में पर्यटकों को अजमेर घूमने के लिए कम से कम दो दिन का समय निकालना होगा। शहर की तीन झीलें, लैपर्ड सफारी, ?तिहासिक तारागढ़ और विकसित किए जा रहे नए पर्यटन स्थल पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनेंगे। शिक्षा, पर्यटन, रोजगार, आधारभूत सुविधाओं और आईटी सहित प्रत्येक क्षेत्र में हो रहे विकास कार्य अजमेर को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। यह बात विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने रविवार को आयोजित दीपावली स्नेह मिलन समारोह में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही। विधानसभा अध्यक्ष श्री देवनानी ने कहा कि अजमेर को विकास की नई पहचान दिलाने के लिए सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, खेल और पर्यटन से जुड़े बड़े प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ाए जा रहे हैं। शहर में 40 से अधिक विकास परियोजनाओं पर काम चल रहा है। इनमें से अधिकांश कार्य इसी वर्ष पूरे होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि अजमेर के विकास में किसी प्रकार की कमी नहीं रखी जाएगी और इस परिवर्तन में शहर के प्रत्येक नागरिक को भागीदार बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि अजमेर में लगभग 177 करोड़ रुपए की लागत से सड़क विकास कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इनमें से 107 करोड़ रुपए के कार्य पूरे हो चुके हैं, जबकि 42 करोड़ रुपए के कार्य प्रगतिरत हैं। शेष कार्य भी जल्द शुरू किए जाएंगे। रिंग रोड की दिशा में 32 करोड़ रुपये की लागत से चार प्रमुख सड़कों का विकास एवं विस्तार किया जा रहा है। जिससे यातायात व्यवस्था सुगम होगी और आवागमन में सुविधा मिलेगी। श्री देवनानी ने कहा कि शहर की पेयजल समस्या के स्थायी समाधान के लिए अमृत योजना के तहत करीब 270 करोड़ रुपए की योजना के टेंडर हो चुके हैं तथा कार्य प्रगति पर है। वहीं जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए लगभग 78 करोड़ रुपए के कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इनमें से 28 करोड़ रुपए के कार्य पूरे हो चुके हैं तथा शेष कार्य प्रगतिरत हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए शहर में 240 करोड़ रुपए की लागत से सात मंजिला अस्पताल का निर्माण किया जा रहा है। इसके साथ ही कोटड़ा में लगभग 30 करोड़ रुपए की लागत से सैटेलाइट अस्पताल का निर्माण भी जल्द पूरा होगा। इन परियोजनाओं से अजमेर में चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार होगा तथा मरीजों को बेहतर उपचार की सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण पहल करते हुए हाथीखेड़ा में 20 करोड़ रुपये की लागत से बालिका सैनिक स्कूल का निर्माण किया जा रहा है। अब अजमेर भी देश के उन चुनिंदा शहरों के नक्शे में शामिल होगा, जहां बालिका सैनिक स्कूल है। इस स्कूल में पहले साल में 200 बालिकाओं को प्रवेश मिलेगा। स्कूल में बालिकाओं को विश्व स्तरीय आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि माकड़वाली क्षेत्र में 12 करोड़ रुपये की लागत से मल्टीपर्पज स्टेडियम का निर्माण किया जा रहा है। लगभग 80 हजार दर्शकों की क्षमता वाला यह स्टेडियम खेल प्रतियोगिताओं के साथ सामाजिक, धार्मिक एवं अन्य बड़े आयोजनों के लिए उपयोगी होगा।

स्वामी और प्रकाशक बुधमती गोस्वामी एवं मुद्रक तारावंद कुमावत द्वारा महारानी प्रिन्टर्स, 17 मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर छपवाकर/मुद्रित कर, 10 MA, आईजी नगर, जगतपुरा,जयपुर, राजस्थान - 302017 से प्रकाशित किया। प्रधान संपादकः बुधमती गोस्वामी एवं संपादकः रमाकान्त गोस्वामी, उप संपादक - मोनिका शर्मा, पीआरजीआई नं. RJHIN/25/A 4779 ब्रांच ऑफिसः 18k3, पंकज सिंघवी मार्ग, ज्योति नगर, जयपुर-302002, मो. नं. 7610866001, हैल्प लाईन नं.: 8946840063, ईमेल आईडीः editor.the uncoveredupdate@gmail.com, वेबसाइटः www.theuncoveredupdate.com (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी. आर. पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तदायी), किसी भी वाद-विवाद से निपटने के लिए न्यायालय जयपुर मान्य होगा।